मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 9 अक्टूबर 2025

संवत 2082, कार्तिक कृष्णपक्ष दो मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 31 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 समय के साथ बदल रहा है डाक विभाग

अली गोनी को एक्ट्रेस निया शर्मा ने किया सपोर्ट 6

दो बाइकों के बीच भीषण में तीन की मौत, दो गंभीर

लोहरदगा: जिले के भंडरा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इधर, घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बताया जाता है कि मिजान अंसारी टाइफाइड का इलाज कराकर रांची से अपने दोस्त के साथ लोहरदगा लौट रहे थे। इसी दौरान कुंदो मैदान के पास विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। बाइक पर सवार पांचों लोग सड़क पर गिर गए, जिसमें तीन

लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। यह घटना लोहरदगा-बेड़ो नेशनल हाईवे संख्या 143 एजी में हुई है।

मृतक की पहचान लोहरदगा राहत नगर निवासी कलाम अंसारी के पुत्र मिजान अंसारी (28 वर्ष), भंडरा थाना क्षेत्र के पंडरिया गांव निवासी फगुआ उरांव के पुत्र प्रकाश उरांव (25 वर्ष) व स्वर्गीय लालू उरांव के पुत्र मुकेश उरांव (27 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में लोहरदगा जोरी निवासी अबुल अंसारी के पुत्र इरफान अंसारी (25 वर्ष) और भंडरा थाना क्षेत्र के पंडरिया गांव निवासी फतलू उरांव का पुत्र गोविंदा उरांव शामिल हैं।

इधर, घटना की सूचना मिलते ही भंडरा थाना प्रभारी रवि रंजन कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और सभी घायलों को इलाज के लिए भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां से घायलों का प्राथमिक इलाज कर उन्हें रिम्स भेज दिया गया। लोहरदगा के डीएसपी सुधीर प्रसाद साहू ने बताया कि एनएच 143 एजी में भंडारा थाना क्षेत्र के कुंदों के समीप दो बाइक के बीच हुई टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई है। जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अनियंत्रित होकर नदी में गिरी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो, डूबने से एक की मौत

गुमला: जिले में गुमला-छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सीलम नदी में गिर गई। इस हादसे में लोहरदगा थाना क्षेत्र के तिगरा गांव निवासी 30 वर्षीय जुनैद अंसारी की डूबने से मौत हो गई।

हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पानी में तैरता देखकर उसे सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्कॉर्पियो में मृतक जुनैद अंसारी के साथ चालक अब्दुल

रशीद और शमशाद आलम भी सवार थे। दोनों हादसे से सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। अब्दुल रशीद ने बताया कि स्कॉर्पियो के सीलम नदी के पास पुल के निकट एक सामने से आ रहे ट्रक को बचाने की कोशिश करते हुए अचानक कार पर नियंत्रण खो गया और वाहन पुल से नीचे नदी में जा गिरा। दुर्घटना के समय तीनों छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के टीन टांगर गांव से वापस लौट रहे थे।

हादसे के बाद अब्दुल रशीद ने फुर्ती से ड्राइविंग सीट की खुली खिड़की से बाहर निकलकर खुद को बचाया और शमशाद आलम को भी बाहर निकाला। उन्होंने तब तक जलेब जुनैद को खोजने की कोशिश की, लेकिन वह गाड़ी के पीछे फंसा हुआ था और नजर नहीं आया। पुलिस को सूचना देने के बाद रायडीह थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नदी में तैरते हुए शव को देखा। जुनैद अंसारी विवाहित थे और उनके तीन छोटे बच्चे हैं। हादसे की खबर मिलते ही उनका परिवार अस्पताल पहुंच गया। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके।

9 साल बाद लखनऊ में मायावती का शक्ति प्रदर्शन सपा पर साधा निशाना,योगी सरकार की सराहना

लखनऊ : कांशीराम स्मारक स्थल पर गुरुवार को आयोजित बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की रैली में पार्टी प्रमुख मायावती ने संबोधन किया। बसपा सुप्रीमो मायावती 9 साल बाद लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोलते हुए कहा कि बसपा शासनकाल में कासगंज जिले का नाम *मान्यवर कांशीराम नगर* रखा गया था, लेकिन सपा सरकार आते ही उसका नाम बदल दिया गया।

मायावती ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान संविधान को कुचला गया था और बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को न तो संसद पहुंचने दिया गया, न ही उन्हें समय पर

भारत रत्न सम्मान दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ने हमेशा मान्यवर कांशीराम का अपमान किया है, इसलिए दलित समाज को अब जागरूक होना होगा।

इस दौरान मायावती ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा सरकार की कार्यशैली की भी सराहना की। उन्होंने कहा, हम वर्तमान भाजपा सरकार के आभारी हैं क्योंकि सपा शासनकाल की तरह इस स्थल से एकत्र किया गया धन उन्होंने दबाया नहीं है। बसपा सरकार के दौरान हमने यह स्मारक बनवाया था और इसके रखरखाव के लिए टिकट व्यवस्था शुरू की थी। इससे होने वाली आय का उपयोग लखनऊ में बने पार्कों और अन्य स्मारकों के संरक्षण के लिए किया जाता था।

मायावती ने कहा कि बसपा शासनकाल में बने कांशीराम स्मारक की मरम्मत कार्य अब लगभग पूरा हो चुका है, जिसके चलते इस बार बड़ी संख्या में लोग श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, आप सभी ने अपने ही रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और लाखों की संख्या में मान्यवर कांशीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

अमेरिकी सांसदों की ट्रंप को कड़ी चेतावनी-

भारत पर टैरिफ बढ़ा कर हुई बड़ी गलती , देश को हो रहा भारी नुकसान

एजेंसी/वाशिंगटन: अमेरिकी कांग्रेस के 19 सदस्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को पत्र लिखकर कड़ी चेतावनी देते हुए उनसे भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। सदस्य डेबोरा रॉस और रो खन्ना के नेतृत्व में इन सांसदों ने हाल ही में बढ़ाये गये आयात शुल्क को भी वापस लेने का भी आह्वान किया, क्योंकि इससे दोनों देशों के संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सांसदों ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन के भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाने के फैसले से भारतीय निमार्ताओं को नुकसान तो हुआ ही है और साथ ही अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखलायें भी प्रभावित हुई हैं। इस फैसले से अमेरिकी उपभोक्ताओं की जेब पर भी बोझ

बढ़ा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन कारवाईयों ने दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी पर भी असर डाला है।

सांसदों ने कहा कि हम कांग्रेस के सदस्य होने के नाते उन जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोग रहते हैं और उनके भारत के साथ मजबूत पारिवारिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं। ट्रम्प प्रशासन की हालिया कारवाईयों ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ संबंधों पर असर डाला है। उन्होंने कहा, 'हम आपसे इस महत्वपूर्ण साझेदारी को फिर से स्थापित करने और सुधारने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह करते हैं।' पत्र में अमेरिका-भारत संबंधों, विशेष रूप से व्यापार और रक्षा सहयोग के रणनीतिक और आर्थिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसमें कहा गया कि भारत, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता बनाये रखने में एक प्रमुख साझेदार है और अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के क्वाड जैसे पहलों के माध्यम से वैश्विक सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी का मालिक चेन्नई से गिरफ्तार

पत्नी के साथ भागने की थी तैयारी, 20 हजार रखा गया था इनाम

एजेंसी/छिंदवाड़ा: मध्य प्रदेश में एक दर्जन से अधिक बच्चों की जान लेने वाली कफ सिरप त्रासदी के मुख्य आरोपी दवा कंपनी के मालिक को राज्य पुलिस ने एक नाटकीय आधी रात के ऑपरेशन के बाद गिरफ्तार कर लिया। रंगनाथन गोविंदन श्रीसन फार्मा के मालिक हैं, जो कोल्ड्रिफ सिरप का निर्माण करती थी। छिंदवाड़ा में कफ सिरप के सेवन से कम से कम 20 बच्चों की मौत हो गई थी,

जिसमें स्वीकार्य सीमा से अधिक जहरीला पदार्थ पाया गया था। इस त्रासदी के सामने आने के बाद से रंगनाथन और उनकी पत्नी भाग रहे थे। गुरुवार रात करीब 1:30 बजे उसे चेन्नई में पकड़ा गया।

एक समाचार एजेंसी ने बताया कि पुलिस के अनुसार, मालिक रंगनाथन को कल रात चेन्नई में गिरफ्तार किया गया था और ट्रांजिट रिमांड हासिल करने के बाद उसे मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में ले जाया जाएगा - जहां सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। यह गिरफ्तारी मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा पूछताछ के लिए हिरासत में लिए जाने के तुरंत बाद हुई। शुरूआती जांच में पता चला है कि कफ सिरप की सप्लाई मध्य प्रदेश के अलावा ओडिशा और पुडुचेरी में भी की जाती थी। तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की 26 पन्नों की एक रिपोर्ट ने उन अस्वास्थ्यकर स्थितियों को उजागर कर दिया, जिनके तहत कांसीपुरा में फार्मा फैक्ट्री में कफ सिरप का निर्माण किया गया था। राज्य नियामक निकाय द्वारा चिह्नित 350 उल्लंघनों में जंग लगे उपकरण और गैर-फार्मा-ग्रेड रसायनों का अवैध उपयोग शामिल थे।

कच्चे तेल की कीमतों में आयी नरमी के बाद घटे पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दिल्ली: अगर आप लंबे समय से पेट्रोल और डीजल के महंगे होने की शिकायत कर रहे हैं, तो आज का दिन आपके लिए राहत लेकर आया है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने के बाद भारत में भी तेल के दाम घटाए गए हैं। गुरुवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों ने ताजा रेट जारी किए, जिसमें यूपी, बिहार समेत कई राज्यों में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है।

तेल सस्ता होने के पीछे की वजहः बीते 24 घंटों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 65.70 डॉलर प्रति बैरल तक नीचे आ गई है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 61.94 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेड कर रहा है। यही गिरावट अब घरेलू खुदरा कीमतों में भी दिखने लगी है।

इन शहरों में सबसे बड़ी राहत : तेल कंपनियों के अनुसार, आज कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें कुछ पैसों से लेकर आधे रुपये तक घटाई गई हैं।

आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा के दो आतंकी गिरफ्तार
2.5 किलो आरडीएक्स बरामद, एक रिमोट भी मिला

जालंधर : पंजाब पुलिस ने त्योहारी सीजन से पहले बड़ी सफलता हासिल की है। जालंधर में काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब ढाई किलो आरडीएक्स बरामद किया है और दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरजिंदर सिंह और दीवान सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक रिमोट डिवाइस भी जब्त किया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि ये विस्फोटक सामग्री किसी बड़े आतंकी हमले के लिए तैयार की गई थी।

सूत्रों के अनुसार, बरामद आरडीएक्स पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े नेटवर्क के जरिए पंजाब में पहुंचाया गया था। पुलिस का मानना है कि आतंकी संगठन त्योहारों के दौरान राज्य में अशांति फैलाने की साजिश रच रहे थे, लेकिन समय रहते सुरक्षा एजेंसियों ने उनके मंसूबे नाकाम कर दिए।

जांच के दौरान खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार आरोपियों के तार बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक मॉड्यूल से जुड़े हैं, जिसे यूके-स्थित हैंडलर निशान और आदेश संचालित कर रहे थे। बताया जा रहा है कि इन लोगों को इडक के कुख्यात आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा से निर्देश मिलते थे। पुलिस ने जालंधर से बरामद आरडीएक्स और रिमोट कंट्रोल को जब्त कर लिया है। काउंटर इंटेलिजेंस की टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आतंकियों का निशाना पंजाब में कौन-कौन सी जगहें थीं। इस मामले में अमृतसर स्थित एसएसओसी पुलिस स्टेशन में यूएपीए और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

म्यांमार में जुंटा का कहर

सैन्य शासन विरोधी प्रदर्शन पर बमबारी में 40 की मौत, वीडियो वायरल

नई दिल्ली: एक उत्सव कार्यक्रम और विरोध प्रदर्शन पर म्यांमार के सैन्य हमले में बच्चों सहित 40 लोगों की मौत हो गई, एक उपस्थित व्यक्ति और एक स्थानीय समिति के सदस्य ने एएफपी को बताया। 2021 के तख्तापलट में सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के बाद से म्यांमार गृहयुद्ध से जूझ रहा है, जिससे लोकतंत्र समर्थक विद्रोहियों को हथियार उठाने और जुंटा के खिलाफ जातीय सशस्त्र समूहों के साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन करने वाली समिति के एक सदस्य के अनुसार, सोमवार शाम को थडिंग्युट पूर्णिमा उत्सव के लिए मध्य म्यांमार के चाउंग यू टाउनशिप में सैकड़ों लोग एकत्र हुए थे, जब सेना ने भीड़ पर बम गिराए। कथित तौर पर विरोध प्रदर्शन के लिए लगभग 100 लोग एकत्र हुए थे। ऑनलाइन सामने

आए वीडियो में कई शवों को अपने परिवार के सदस्यों के शव देखकर रोते हुए सुना जा सकता है। सैन्य हमले में कथित तौर पर मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। मृतकों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं।

रिपोर्टों में कहा गया है कि सोमवार रात का हमला एक मोटर चालित पैराग्लाइडर द्वारा किया गया था, और देश के मध्य सागाइंग क्षेत्र के एक गांव को निशाना बनाया गया था, जहां एक बौद्ध त्योहार मनाया जा रहा था, जिसमें म्यांमार की सैन्य सरकार द्वारा रखे गए राजनीतिक कैदियों की रिहाई के लिए एक रैली भी शामिल थी। म्यांमार एक गृह युद्ध में है जो फरवरी 2021 में सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के बाद शुरू हुआ था। बॉन टू गांव सहित जहां हमला हुआ था, देश का अधिकांश हिस्सा प्रतिरोध बलों के नियंत्रण में है।

हमले में लगभग 80 अन्य घायल भी हुए। एक महिला ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया, मोटर से चलने वाला एक पैराग्लाइडर भीड़ के ठीक ऊपर से उड़ गया। कथित तौर पर कुछ लोग हमले से पहले भागने में सफल रहे क्योंकि एक स्थानीय समिति ने उन्हें सतर्क कर दिया था। इस बीच, एक अन्य मोटर चालित पैराग्लाइडर ऊपर की ओर उड़ गया और लोग घायलों की मदद के लिए घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। चौंग यू के एक निवासी ने समाचार एजेंसी को बताया, जब मैं लोगों से कह रहा था 'कृपया भागें नहीं', पैरामोटर ने दो बम गिराए। मानवाधिकार निगरानी संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल ने नागरिकों पर क्रूर हमले की निंदा की। एक बयान में, एमनेस्टी ने कहा कि हमले को एक भयावह चेतावनी के रूप में काम करना चाहिए कि म्यांमार में नागरिकों को तत्काल सुरक्षा की आवश्यकता है। इसमें आगे कहा गया है कि हमले से पता चलता है कि सेना ने अपने खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ अपना क्रूर अभियान तेज कर दिया है। 2021 में तख्तापलट के बाद सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के बाद से म्यांमार में गृहयुद्ध चल रहा है। इससे एशियाई देश में नागरिक अशांति फैल गई। जुंटा ने 28 दिसंबर से शुरू होने वाले चुनावों को सुलह का रास्ता बताया है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के एक विशेषज्ञ ने वोट को जारी सैन्य शासन को छिपाने के लिए धोखाधड़ी के रूप में खारिज कर दिया है, और विद्रोहियों ने इसे अवरुद्ध करने की कसम खाई है। सेना अब विद्रोहियों के ठिकानों को घेर रही है, जिसका लक्ष्य चुनाव से पहले क्षेत्रीय नियंत्रण का विस्तार करना है।

समाचार सार

छत से गिरकर अधेड़ की मौत

चतराः जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के उरैली गांव निवासी मोहन पासवान 50 की मौत बुधवार की अगले सुबह रांची के रिम्स अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में हो गया । जानकारी के अनुसार मृतक मंगलवार को रात में खाना खाकर छत पर सोने चला गया। इसी दौरान रात में ही शौच के लिए छत से निचे उतरते समय सीढी से पैर फिसल कर गिर गया ,जिसके कारण सिर पर गंभीर चोट लग गया था।परिजनों ने उन्हें आनन - फानन में गया के कल्याण हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।जहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया । रिम्स ले जाने के क्रम में हंटरगंज में तबीयत और बिगड़ गई। तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया ।जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम छा गया।वहीं परिजनों को रो रो कर बुरा हाल है।

ग्रामीणों ने नाबालिग प्रेमी जोड़े को खदेड़ा, वीडियो हुआ वायरल

चतराः प्यार के नाम पर आजकल लड़कें-लड़कियां बिना कुछ समझे सार्वजनिक जगहों पर कुछ भी करने लगते हैं। वे सबके सामने अपने प्यार का इजहार करने लगते हैं। प्यार का इजहार तो ठीक है लेकिन वे खुलेआम रोमांस के नाम पर अश्लील हरकत भी करने लगते हैं। ऐसा करते समय वे आसपास के लोगों का भी ध्यान नहीं रखते। उनकी इन हरकतों के कारण दूसरों को परेशानी न पहुंचे। सोशल मीडिया पर बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड के कई वीडियो हमेशा वायरल होते रहते हैं। फिलहाल ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मामला चतरा जिला के हंटरगंज के कौलेश्वरी हटवरिया वन आरोग्य पार्क के समीप का बताया जा रहा है । हालांकि ग्रामीणों ने नाबालिग प्रेमी जोड़े को खदेड़ दिया। इसका वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। वायरल वीडियो में ग्रामीण एक प्रेमी जोड़े को धमकाते और अभिभावक से बात करवाने की बात कहते नजर आ रहे है। साथ ही दोनों पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगा रहे है। बता दें कि हंटरगंज थाना क्षेत्र के कौलेश्वरी हटवरिया पार्क के समीप में एक नाबालिग स्कूली छात्रा, अपने स्कूल को छोड़ कर 4 अक्टूबर शनिवार दोपहर अपने प्रेमी से मिलने पहुंची थी। इस दौरान दोनों प्रेमी जोड़े एक जगह बैठ कर बात कर रहे थे। कुछ ग्रामीण उनकी इस हरकत को देख रहे थे। एक घंटे लगातार एक ही स्थान पर बैठे देखकर ग्रामीणों को शक हुआ तो ग्रामीण आ धमके और प्रेमी जोड़े को खदेड़ना शुरू कर दिया। कुछ ग्रामीणों ने दोनों को पकड़कर नाम पता पूछना शुरू कर दिया। वायरल वीडियो में ग्रामीण कह रहे है कि स्कूल में पढ़ने आती हो या फिर इश्क लड़ाने आती हो किस विद्यालय में पढ़ती हो। इस दौरान प्रेमी जोड़ा ग्रामीण से वीडियो नहीं बनाने और वीडियो डिलीट करने की अपील करते नजर आ रहे हैं। अंततः ग्रामीण जब अभिभावक से बात किए तब प्रेमी जोड़े को छोड़ा। ग्रामीणों ने कहा आज कल के बच्चों ने माहौल को बिगाड़ कर रखा हुआ है।स्थानीय लोगों ने बताया कि हमेशा इस तरह का नजारा सामने आता है। जरूरत है कि बच्चों के परिजन उन पर नजर रखें, नहीं तो आने वाले समय में स्थिति काफी भयावह होने वाली है। ऐसी घटना से स्थानीय लोग नाराज है।वहीं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बताया कि जिस तरीके का माहौल बच्चों में बन रहा है। इसका सोशल मीडिया भी काफी जिम्मेदार है। लोग सोशल मीडिया पर वीडियो को अपलोड करने वाले लोगों पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। अखबार आप सभी अभिभावकों से अपील करता है कि अपने बच्चों पर अवश्य ध्यान रखें, वहीं छात्र छात्राओं से भी अपिल है कि अभी आपकी पढ़ाई की उम्र है पढ़ाई पर ध्यान दें अन्यथा आपका भविष्य अंधकारमय हो सकता है।

युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

चतरा : शहर के लाइन मोहल्ला लियाकत अली रोड़ निवासी मो मुरसलीम के 18 वर्षीय पुत्र मो अहमद अरसलान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। बुधवार की सुबह परिजनों ने देखा कि युवक अपने कमरे में फांसी के फंदे से झूल रहा है। लोगों ने इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बताया जाता है कि मामूली बात को लेकर परिजनों ने युवक को फटकार लगाई थी, इसी गुस्से में आकर युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। युवक की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

ज्या डेंटल क्लीनिक में गलत इंजेक्शन देने से महिला की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

चतराः शहर के गुदरी बाजार में अवैध रूप से संचालित ज्या डेंटल क्लीनिक में इलाज के दौरान इंजेक्शन लगाने के क्रम में एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान लोवागड़ा गांव निवासी गोमती देवी के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, गोमती देवी को दांत में दर्द था। बुधवार की रात परिजन उन्हें इलाज के लिए ज्या डेंटल क्लीनिक लेकर पहुंचे थे। इलाज के दौरान जब इंजेक्शन लगाया जा रहा था, तभी सूई (नीडल) महिला के शरीर में ही टूट गई। इसके तुरंत बाद महिला के मुंह और नाक से झाग निकलने लगा और कुछ ही पलों में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजन अंतिम उम्मीद लेकर उन्हें सदर अस्पताल ले गए, जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने गोमती देवी को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही चतरा विधायक जनार्दन पासवान सदर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने इस गंभीर घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि ह्लअवैध रूप से चल रहे ऐसे क्लीनिकों पर प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। डीसी को तत्काल संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, मौके पर मौजूद उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। महिला के शव का पोस्टमार्टम तीन सदस्यीय चिकित्सक टीम द्वारा किया जाएगा, ताकि मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि गुदरी बाजार क्षेत्र में चल रहे इस अवैध क्लीनिकों की जांच कर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। घटना की जानकारी मिलते ही सदर थाना प्रभारी बिपीन कुमार भी मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गए हैं।

शहीद पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए अलग से खुलेंगे स्कूल, मिलेगी मुफ्त शिक्षाः मुख्यमंत्री

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घोषणा की कि उनकी सरकार ड्यूटी के दौरान शहीद हुए पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए निःशुल्क स्कूल खोलने की योजना बना रही है। सोरेन ने कहा कि इस उद्देश्य के लिए रांची के धुर्वा स्थित झारखंड जगुआर परिसर में चार एकड़ का भूखंड चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा, शिक्षा विभाग और झारखंड पुलिस के बीच स्कूल खोलने की रूपरेखा पर काम चल रहा है। यह स्कूल सर्वश्रेष्ठ निजी स्कूलों के समकक्ष होगा और ड्यूटी पर शहीद हुए झारखंड के पुलिस कर्मियों के बच्चों को मुफ्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगा। स्कूल का संचालन पुलिस विभाग द्वारा किया जाएगा।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलामू में माओवाद विरोधी अभियान के दौरान शहीद हुए दो पुलिस कांस्टेबल सुनील कुमार राम और संतन कुमार मेहता के परिवारों को 1.10 करोड़ रुपये के चेक सौंपे। यह अत्याधुनिक अस्पताल पुलिसकर्मियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। सोरेन ने मृत पुलिस कर्मियों के परिजनों से भी बात की और उनका हालचाल पूछा। एक अधिकारी ने बताया कि चूंकि दोनों मृतक कांस्टेबल की पत्नियां स्नातक हैं, इसलिए सरकार उन्हें नियमों के अनुसार लिपिक की नौकरी देगी।

झारखंड में पुलिस कर्मियों के लिए विशेष रूप बनेगा अस्पतालः मुख्यमंत्री हेमंत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार झारखंड के पुलिस कर्मियों के लिए विशेष रूप से एक अस्पताल की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, अस्पताल के निर्माण के लिए जल्द ही एक व्यापक कार्य योजना तैयार की जाएगी। यह अस्पताल रांची के होटवार स्थित जेएपी 10 परिसर में बनेगा। यह अत्याधुनिक अस्पताल पुलिसकर्मियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। डीजीपी अनुराग ठाकुर ने बताया कि उन्हें दिए जाने वाले मानदेय के अलावा, परिवारों को चरमपंथियों के खिलाफ अभियानों में मारे गए कर्मियों के लिए प्रावधानों के अनुसार लगभग दो करोड़ रुपये भी मिलेंगे।

वन्य प्राणी सप्ताह को लेकर वन विभाग ने छात्रों के साथ निकाली प्रभात फेरी

पोस्ता /अफीम के खिलाफ भी चलाया गया जागरूकता अभियान

संवाददाता

चतराः उत्तरी वन प्रमंडल की ओर से वन्य प्राणी सप्ताह के तहत हंटरगंज वन प्रक्षेत्र के रामनारायण प्लस टू उच्च विद्यालय हंटरगंज और कुलेश्वरी विद्यापीठ विद्यालय के बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। रैली की शुरूआत खेल मैदान से किया गया,जो पूरे मैदान का भ्रमण करते हुए पुनः विद्यालय कार्यालय तक गई। इसके माध्यम से लोगों को वन्य जीवों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। सुबह उक्त विद्यालय के बच्चों ने यह ज्ञान हमें फैलाना है अपने क्षेत्र से नशा को भगाना है आदि स्लोगन करते हुए चले। मौके पर वन विभाग के वनपाल विवेक कुमार, नरेश प्रजापति ने बताया कि प्रति वर्ष दो से आठ अक्तूबर तक वन्य प्राणी सप्ताह मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वन्य जीवों की महत्ता लोगों को समझाना है। हम सभी को वन्य जीवों की रक्षा करनी चाहिए। वन संपदा हम सभी के आवश्यकताओं के सभी चीजों की पूर्ति करती है। इस दौरान अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध तथा अफीम के दुष्प्रभाव और इसके कानूनी परिणामों के संबंध में जन जागरुकता अभियान भी चलाया गया। अभियान के दौरान छात्रों को अफीम की अवैध खेती से होने वाले सामाजिक और कानूनी नुकसान के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, अफीम के स्थान पर उगाई जा सकने वाली नकदी फसलों की जानकारी भी दी गई, अपने आसपास और अभिभावक को जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। मौके पर विद्यालय प्रधानाध्यापक अनूप कुमार, अध्यक्ष अशोक यादव,शिक्षक विनय कुमार, उमेश कुमार, प्रभारी वनपाल विवेक कुमार, नरेश प्रजापति, वनरक्षी मुकेश दास, राजीव रंजन स्कूली बच्चे और वन कर्मी मौजूद थे।

सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का निर्वहन सोनमेर मंदिर में लगा विशाल मेला

खूंटीः जिले का सुप्रसिद्ध सोनमेर मंदिर आज सदियों पुरानी परंपरा के रंग में सराबोर नजर आ रहा है। दशहरे के पांच दिन बाद, कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर, यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया गया है। इस मेले की खास बात यह है कि इसे तीन पीढ़ियों से मनाया जा रहा है और आज भी यह परंपरा उसी जोश और श्रद्धा के साथ जीवित है।

इस ऐतिहासिक मेले का शुभारंभ आज खूंटी के विधायक और तोरपा की विधायक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस मौके पर खूंटी के पूर्व विधायक भी मौजूद थे। मेले के उद्घाटन के साथ ही आर्केस्ट्रा कार्यक्रम की शुरूआत हुई, जिसने यहां के माहौल में चार चांद लगा दिए।

इस मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक फैली हुई है। मंदिर के पुजारी श्री भरत शिखर ने हमें बताया कि सोनमेर माता को मनोकामना पूरी करने वाली माना जाता है। यही वजह है कि झारखंड समेत आसपास के राज्यों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। पहले यह मंदिर काफी छोटा था, लेकिन माता की बढ़ती महिमा के साथ ही अब यह एक विशाल रूप ले चुका है। इस मेले की एक खास रस्म 'काड़ा बकरे' की बलि देना भी है। पुजारी जी के मुताबिक, पहले यह मेला जड़िया नामक स्थान पर लगता था, लेकिन तीन पीढ़ी पहले यह परंपरा यहां स्थानांतरित हो गई और तब से लगातार यहीं आयोजित हो रही है। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले लगाए गए हैं, तो वहीं महिलाओं के लिए खरीदारी की अनेक दुकानें और स्वादिष्ट भोजन के स्टॉल्स भी मौजूद हैं। इस साल के मेले की सबसे बड़ी आकर्षण का केंद्र रहा भव्य आर्केस्ट्रा कार्यक्रम। इस मौके पर झारखंड के कई मशहूर गायक और गायिकाओं ने अपने जबरदस्त परफॉर्मेंस से लोगों का दिल जीत लिया और लोग थिरकते नजर आए। इस आर्केस्ट्रा को देखने के लिए दूर-दूर से लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। यह मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का एक अटूट हिस्सा बन चुका है। जहां आस्था और आधुनिक मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

खूंटी कांग्रेस में विद्रोह

रवि मिश्रा के पुनः अध्यक्ष बनने पर आदिवासी कार्यकर्ताओं ने उठाए सवाल

खूंटीः जिले के डाडीगुटु ग्राम में कांग्रेस पार्टी के भीतर ही जिला अध्यक्ष पद को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अरुण संगा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने रवि मिश्रा को दोबारा जिला अध्यक्ष बनाए जाने का जोरदार विरोध किया। यह विरोध झारखंड प्रभारी राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव कमलेश महतो की मौजूदगी में किया गया। कार्यकर्ताओं ने रवि मिश्रा हटाओ, खूंटी बचाओ के नारों से आक्रोश व्यक्त किया। अरुण संगा ने मौके पर कहा, खूंटी जिला भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली है और एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है। हमारे प्रिय नेता राहुल गांधी जी कहते हैं - 'जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी'। फिर रवि मिश्रा को पुनः खूंटी का जिला अध्यक्ष कैसे बनाया गया? एक आदिवासी बहुल क्षेत्र होते हुए भी किसी आदिवासी को नेतृत्व करने का मौका क्यों नहीं दिया जा रहा है? उनके इस आरोप का समर्थन जिला परिषद सदस्य सुशील संगा ने किया। सुशील संगा ने मांग रखी कि जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा को तत्काल पद से हटाया जाए और किसी आदिवासी नेता को पार्टी की कमान सौंपी जाए।

कांग्रेस पार्टी के सभी मौजूद कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर चेतावनी दी कि यदि रवि मिश्रा को जिला अध्यक्ष पद से नहीं हटाया गया, तो पूरे जिले में बड़े पैमाने पर आंदोलन चलाया जाएगा। इस विरोध प्रदर्शन में अल्पसंख्यक प्रदेश महासचिव कैसर खान, जिला प्रवक्ता नरेश, ओबीसी जिला अध्यक्ष सोनू, मुरहु प्रखंड अध्यक्ष पौलुस सहित बहा मुंडा, अनमोल, अब्दुल वाहिद, हरी, अमर, अंजेला, अनीता, अमीर, आदित्य कर जैसे कांग्रेस के तमान कार्यकर्ता मौजूद थे। यह घटना कांग्रेस पार्टी में बढ़ रहे आंतरिक असंतोष को दशार्ती है और झारखंड जैसे आदिवासी बहुल राज्य में सामुदायिक हिस्सेदारी के मुद्दे को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

समय पर एम्बुलेंस न मिलने पर महिला ने तड़प-तड़प कर तोड़ा दम, सड़क हादसे में हुई थी घायल

गुमलाः जिले में बुधवार की सुबह एक महिला की समय पर एम्बुलेंस न मिलने के कारण मौत हो गई। घटना चैनपुर थाना क्षेत्र के काशीर के पास हुई, जहां बाइक और मारुति वैन की टक्कर में महिला और उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि अगर एम्बुलेंस समय पर पहुंचती तो महिला की जान बचाई जा सकती थी। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि पूरा परिवार मंगलवार को गांव में मेला देखने गया था। परिवार में पति, पत्नी कलावती देवी और उनकी डेढ़ वर्षीय बेटी वर्षा कुमारी शामिल थे। बुधवार तड़के करीब 4 बजे बाइक से गांव लौटते समय काशीर के पास पीछे से एक मारुति वैन ने बाइक को टक्कर मारा। दोनों पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गए, लेकिन वैन चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना स्थल पर वैन की नंबर प्लेट मिली जिसे पुलिस ने जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

आईटीडीए व कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा

उपायुक्त ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति व उनके कार्यान्वयन प्रक्रिया की ली विस्तृत जानकारी

संवाददाता

खूंटीः समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त आर रॉनिटा की अध्यक्षता में आईटीडीए (समवर्ती आदिवासी विकास अभिकरण) एवं जिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान, उपायुक्त ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं की बिंदुवार जांच की, जिनमें प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति ,साइकिल वितरण योजना,कब्रिस्तान एवं सरना-मसना स्थल घेराबंदी,धूम कुड़िया भवन निर्माण,आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री जन मन योजना,मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना शामिल हैं।

श्रीमती रॉनिटा ने योजनाओं की वर्तमान स्थिति, लाभार्थियों तक उनकी पहुंच और कार्यान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लाएं और सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर विशेष बल दिया।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के बेहतर संचालन पर जोर देते हुए, उपायुक्त ने अधिकारियों को लाभार्थियों की पहचान, पात्रता सत्यापन और ऋण स्वीकृति की प्रक्रियाओं को सरल एवं पारदर्शी बनाने का आदेश दिया। उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लाभार्थियों की अद्यतन सूची उपलब्ध कराएं और योग्य लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर कियोस्क आवंटित करें, ताकि योजना का लाभ सीधे उन तक पहुंच सके।

उपायुक्त ने सभी कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे सभी निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करें और गुणवत्ता के मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि विकासात्मक परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम, जिला शिक्षा अधीक्षक सहित भवन निर्माण निगम, पीएचईडी, विद्युत विभाग, एनआरईपी जैसे विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

ऐतिहासिक मुड़मा जतरा मेला का समापन आज , मुख्यमंत्री होंगे शामिल

मांडर : झारखंड की परंपरा, संस्कृति और जनआस्था के प्रतीक राजकीय ऐतिहासिक मुड़मा जतरा मेला का समापन आज गुरुवार को होगा। समापन समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

61वीं शासी परिषद की बैठक शुरू, 25 मुद्दों पर होगी चर्चा

संवाददाता

रांचीः रिम्स (राजेन्द्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) की 61वीं शासी परिषद (जीबी) की बैठक आज गुरुवार को रिम्स के प्रशासनिक भवन में शुरू हुई। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री और जीबी के चेयरमैन डॉ. इरफान अंसारी कर रहे है। इस बैठक में कुल 25 मुद्दों पर चर्चा हो रही है।

मुख्य एजेंडों में नए सुपर स्पेशियलिटी कोर्स शुरू करने और पहले से चल रहे कोर्सों की सीटें बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा। इसके अलावा अस्पताल में मशीनों को चलाने के लिए 30 टेक्नीशियन की नियुक्ति का प्रस्ताव भी रखा गया है। बैठक में नर्स और पारा मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति, पदोन्नति और सेवा शर्तों में बदलाव पर भी विचार होगा।

भाजपा नेता बिंदू भूषण दुबे का निधन

रांचीः भाजपा के वरिष्ट नेता सह समाजसेवी बिंदू भूषण दुबे का बुधवार की रात दिल्ली में इलाज के क्रम में निधन हो गया। वो पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे। आज उनका पार्थिव शरीर रांची लाया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज एवं वैगन कारखाना, उ.प.रे, बीकानेर द्वारा खुली ई–निविदा सूचना संख्याः **07-MECH-BKNW-MG-25** निम्नलिखित कार्य के लिए ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नामः** कैरिज एवं वैगन कारखाना लालगढ़, बीकानेर में मीटर गेज कोचों के संक्षारण (कोरोजन), बढ़ईगीरी, ट्रिमिंग, पाइप फिटिंग और पेंटिंग का कार्य। **2. कार्य की अनुमानित लागतः** रु. 94,87,011.07 (जीएसटी सहित) **3. बयाना राशिः** रु. 1,89,800.00 **4. ई–निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं खुलने का समय व दिनांकः** 28.10.2025 को 14:30 बजे तक। ई–निविदा उसी दिन 15:00 बजे खोली जाएगी। **5. वेबसाइट विवरण जहाँ से ई–निविदा की पूर्ण जानकारी देखी जा सकती हैः www.ireps.gov.in**

1284-AJ/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

राम विलास पासवान की पांचवी पुण्यतिथि मनायी गयी

उनके विचारों और कार्यों को किया गया याद

संवाददाता

रांचीः लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के संस्थापक, पूर्व केंद्रीय मंत्री, पद्म भूषण स्व. राम विलास पासवान की पांचवी पुण्यतिथि पर झारखंड में उनके विचारों और कार्यों को याद किया गया। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की झारखंड प्रदेश इकाई ने उनके पुण्यतिथि पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान ने की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय रामविलास पासवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर वक्ताओं ने स्वर्गीय पासवान के संघर्षपूर्ण जीवन, सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण तथा गरीब, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए उनके द्वारा किए गए उनके कार्यों को याद किया तथा उनके बताएं मार्गों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के उपरांत पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता 'क्षितिज मूक बधिर विद्यालय' (तपोवन मंदिर के समीप, निवारनपुर) पहुंचे, जहां विशेष बच्चों को प्रोत्साहन एवं सम्मान दिया गया। इस अवसर पर उन्हें स्वर्गीय राम विलास पासवान के जीवन, उनके मानवतावादी दृष्टिकोण और समाजहित में किए गए कार्यों के बारे में बताया गया।

इस मौके पर यह भी निर्णय लिया गया कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को 'बिहार फर्स्ट , बिहारी फर्स्ट के जन-आंदोलनात्मक नैरेटिव के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के नेतृत्व में पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। साथ ही, पार्टी ने यह भी घोषणा की कि झारखंड प्रदेश इकाई घाटशिला उपचुनाव में एनडीए. के प्रत्याशी को पूर्ण समर्थन देगी और गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी। पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी आदित्य विजय प्रधान, पारसनाथ राय, अभिषेक राय, उमेश तिवारी, ममता रंजन, हाफिजुल हसन, रतन पासवान, शिव जी, उत्तम राय,दिनेश सोनी, मनीषा देवी, संतोष पासवान, आनंद वर्मा, विजय कु०,आनंद पांडे, सुरेंद्र राय, राजेश रंजन वर्मा, संजीत द्विवेदी, विकास राय, हरेराम जी, प्रतिज्ञा कुमार, तनिक, संदीप, भोला, मनीष और विजय समेत सैंकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एम्बुलेंस सेवा में लापरवाही पर अपर मुख्य सचिव सख्त

'सम्मान फाउंडेशन' को कड़ी फटकार लगाते हुए हुए सेवा में त्वरित सुधार का दिया निर्देश

संवाददाता

रांचीः झारखंड में 108 एम्बुलेंस सेवा की लेटलतीफी और मरीजों को हो रही परेशानियों की लगातार हो रही खबरों से आहत स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने एक आपात बैठक बुलाई।

बैठक में उन्होंने एम्बुलेंस सेवा दे रही संस्था 'सम्मान फाउंडेशन' को कड़ी फटकार लगाते हुए सेवा में त्वरित सुधार के निर्देश दिए। लगातार एम्बुलेंस के विलंब से पहुंचने की खबरें प्रकाशित हो रही हैं, जो यह दर्शाती हैं कि दूरस्थ क्षेत्रों में सेवाएं बेहद खराब स्थिति में हैं। इससे राज्य की छवि को भी नुकसान पहुंच रहा है। बैठक में कारपोरेशन के एमडी अबु इमरान और एनएचएम के एमडी शशि प्रकाश झा के साथ विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। सिंह ने स्पष्ट कहा कि सेवा की गुणवत्ता किसी भी सूरत में उत्कृष्ट होनी चाहिए और मरीजों को कोई कष्ट नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एंबुलेंस की उपलब्धता प्रत्येक मरीज को समय पर उपलब्ध हो। एजेंसी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि लापरवाही और लेटलतीफी की सूचना फिर से प्राप्त हुई तो एजेंसी पर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ ही, 108 एम्बुलेंस सेवा की निगरानी कर रहे डॉक्टर पंकज को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रतिदिन कम से कम 10 एम्बुलेंस का लाइव वीडियो देखें और वाहनों की अद्यतन स्थिति पर नजर रखें।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना 2025–26

निविदा संख्या : **02-LWS-OPN-BV-2025 दिनांक 06.10.2025** भारत के राष्ट्रपति के लिये उप मु. यांत्रिक अभियंता/लोको अजमेर के द्वारा निम्नानुसार ई–निविदा आमंत्रित की जाती है, इच्छुक फर्म/निविदाकार IREPS पोर्टल के द्वारा इस ई–निविदा में सम्मिलित हो सकते है। **1. कार्य का नामः** प्रोविजन ऑफ एडजस्टेबल गार्ड चेयर्स एंड अदर एसेंशियल एमेनिटीज इन ब्रेक वैन एवं अपग्रेडेशन ऑफ ब्रेक वैन ड्यूरिंग पीरियॉडिकल ओवरहॉलिंग इन वर्कशॉप (ऐज पर स्कोप ऑफ वर्क) **2. कार्य का अनुमानित लागतः** रु. 4,08,11,169.50/– **3. ई–निविदा जारीकर्ता कार्यालय का पूर्ण पताः** उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (लोको) डीजल लोको एवं वैगन कारखाना, लाल फाटक के पास, अजमेर–305001. **4. बयाना राशि जो कि जमा करानी हैः** रु. 3,54,100.00/– (केवल IREPS पोर्टल पर नेटबैकिंग अथवा पेमेन्ट गेटवे के माध्यम द्वारा) **5. ई–निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं खुलने का समय व दिनांकः** 28.10.2025 को 15.00 बजे तक ई–निविदा उसी दिन 15.30 पर खोली जायेगी। अपरिहार्य कारणो के चलते निविदा खोले जाने के शेड्यूल में परिवर्तन किया जा सकता है। **6. वैबसाईट विवरण जहाँ से ई–निविदा की पूर्ण जानकारी देखी व इसमे भाग लिया जा सके। : www.ireps.gov.in** (Note:- यह ई–निविदा है अतः निविदाकार द्वारा केवल वर्णित वेबसाइट के माध्यम से निविदा अवधि में ही ई–निविदा प्रस्तुत की जा सकती है।)

1286-AJ/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

झारखंड तकनीकी/विशिष्ट योग्यताधारी स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 स्थगित

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित की जाने वाली झारखंड तकनीकी/विशिष्ट योग्यताधारी स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 (नियमित एवं बैकलॉग) को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है। यह परीक्षा 09 से 16 अक्टूबर 2025 के बीच आयोजित की जानी थी। जेएसएससी ने एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि परीक्षा को अपरिहार्य तकनीकी कारणों से स्थगित किया गया है। आयोग ने कहा कि परीक्षा की नई तिथियों की घोषणा जल्द की जाएगी। परीक्षा स्थगन की सूचना ऐसे समय में आई जब कई अभ्यर्थी पहले ही अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंच चुके थे। कुछ छात्र दूर-दराज के जिलों से आ चुके थे और होटलों या छात्रावासों में रुके हुए थे। अचानक परीक्षा रद होने की सूचना से उनमें नाराजगी और मायूसी देखी गई।

जेएसएससी ने क्या कहा?

आयोग द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया हैः दिनांक 09.10.2025 से 16.10.2025 तक आयोजित होने वाली झारखंड तकनीकी/विशिष्ट योग्यताधारी स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 (नियमित एवं बैकलॉग) को अपरिहार्य तकनीकी कारणों से तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाता है। अगली तिथि की सूचना यथाशीघ्र प्रकाशित की जाएगी।

जांच अभियान के दौरान धराए दो युवक, विदेशी शराब बरामद

रांची : ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ की फ्लाइंग टीम और रांची पोस्ट के अधिकारियों ने देर रात रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान 18622 एक्सप्रेस ट्रेन की जांच के दौरान दो संदिग्ध युवकों को पकड़ा गया।

पकड़े गए युवकों का नाम प्रियांशु कुमार और नितीश कुमार है। दोनों बिहार के बेगूसराय जिले के तेघड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

तलाशी में उनके बैग से 19 बोतल विदेशी शराब मिली, जिसमें ब्लेंडर्स प्राइड और सिग्नेचर ब्रांड की 750-750 मिलीलीटर की बोतलें थीं। कुल शराब की मात्रा 14.250 लीटर और कीमत लगभग 17,640 रुपये आंकी गई है। पूछताछ में पता चला कि वे यह शराब बिहार ले जाकर महंगे दामों में बेचना चाहते थे।

आरपीएफ ने दोनों को गिरफ्तार कर जब्त शराब के साथ आबकारी विभाग, रांची को सौंप दिया है। अब मामले की जांच आगे की जा रही है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमण्डल, राँची (ग्रामीण)
लाईन टैंक रोड, लकड़ा गोदाम, राँची,
पिन कोड नं0 : 834001
ई–मेल : eercdranchi-gramin@jharkhandmail.gov.in

शुद्धि पत्र

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–RCD/RANCHI (GRAMIN)-09/2025-26, Dt. 20.09.2025 के PR No. 362659 Road(25-26):D क्रम संख्या–02 पर अंकित कार्य–"जोन्हा, रामडेरा एवं सिल्ली स्थित (कुल पाँच) निरीक्षण भवन में एक वर्ष हेतु केयर टेकर एवं रात्रि प्रहरी आपूर्ति कार्य" को अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

शेष शर्ते यथावत रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
पथ प्रमंडल, राँची(ग्रामीण)

PR 363564 Road(25-26).D

पंजाब पुलिस ने आरोपी को चुटिया से किया गिरफ्तार

रांचीः राजधानी रांची में आज पंजाब पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक वांछित आरोपी को धर दबोचा है। यह गिरफ्तारी चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड इलाके से की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किया गया आरोपी बिहार के सिवान जिले का रहनेवाला बताया जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब पंजाब पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ पंजाब ले जाएगी.

दो- तीन दिन में झारखंड से शुरू होगी मानसून की विदाई

रांची, खूंटी, गुमला सहित सात जिलों में छा सकते हैं बादल, कई जिलों में हल्की बारिश के आसार

संवाददाता

रांची : भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने संकेत दिए हैं कि राज्य से मानसून की वापसी की प्रक्रिया अगले दो से तीन दिनों में शुरू हो सकती है। रांची स्थित मौसम केंद्र के निदेशक अभिषेक आनंद ने जानकारी दी कि मौजूदा मौसम परिस्थितियों को देखते हुए 12 से 14 अक्टूबर के बीच झारखंड से मानसून की विदाई शुरू होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और वज्रपात हो सकता है। गिरिडीह, रांची, खूंटी, गुमला, हजारीबाग, रामगढ़ और सिमडेगा जिलों में बादल छाए रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

अक्टूबर में सामान्य से दोगुनी बारिशः इस बार अक्टूबर की शुरूआत से अब तक झारखंड में सामान्य से 99% अधिक वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह में अब तक राज्य में 66.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्य औसत मात्र 33.3 मिमी होती है। यानी अक्टूबर में अब तक लगभग दोगुनी वर्षा दर्ज की गई है। पूरे मानसून सीजन (जून से सितंबर) में राज्य में कुल 1184.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 1188.4 मिमी के बेहद करीब है। इसका मतलब यह है कि इस वर्ष झारखंड में मानसून औसतन सामान्य रहा।

सिमडेगा में सबसे ज्यादा बारिश, देवघर-दुमका में सबसे कमः जिलावार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक बारिश सिमडेगा में हुई, जहां सामान्य से 58% अधिक वर्षा दर्ज की गई। वहीं, देवघर और दुमका जिलों में सबसे कम बारिश रिकॉर्ड की गई। पिछले 24 घंटे के भीतर रांची में अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से थोड़ा कम और मौसम को सुहावना बना रहा है। राज्य का अधिकतम तापमान फिलहाल 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है, जबकि सबसे ज्यादा तापमान पाकुड़ में 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक महसूस की जा रही है और हवाओं में नमी बढ़ी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, जैसे-जैसे मानसून की विदाई होगी, दिन में गर्मी हल्की बढ़ेगी, लेकिन रातें ठंडी होंगी। आने वाले हफ्तों में मौसम शुष्क रहेगा और धीरे-धीरे ठंड का असर शुरू हो सकता है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, रॉची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

अज्ञात पुरूष का शव उम्र करीब–40–45 वर्ष, रंग–सॉवला, उँचाई–5 फिट 7 ईंच
पहनावा–बदन पर मटमैला रंग का टी–शर्ट एवं गमछी,
पहचान–दाहिने हाथ में काला रंग का धागा बंधा हुआ।

उपरोक्त अज्ञात पुरूष का शव कॉके थाना अन्तर्गत बोड़ेया पंचायत से सटे गोमगढ़ा डहर (खेत) के पास से बरामद किया गया है। जिसके संबंध कांके थाना कांड सं0 255/25, दिनांक 06.10.25, धारा 103(1)238 बी0एन0एस0 किया गया है। इनकी पहचान हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि आपको इस अज्ञात पुरूष के शव के बारे में जानकारी हो तो वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय रॉची में या संबंधित थाना या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), रांची – 9431706138
पुलिस उपाधीक्षक मु0, प्रथम, रॉची। – 9431706141
थाना प्रभारी कॉके, रॉची। – 9431706185

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 363573 Police (25-26)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

कफ सिरप कांड से गंभीर सबक लेने की जरूरत

कफ सिरप से नौनिहालों की मौत का सिलसिला थमने की बजाय बढ़ता जा रहा है। हालांकि ताबड़तोड़ छापेमारी, धरपकड़, गिरफ्तारियां भी साथ-साथ हो रही हैं। इस कांड की चर्चा भारत में ही नहीं, दुनिया के दूसरे देशों में हो रही है। दिल-दहला देने वाली ह्यकफ सिरप की घटना के गर्भ से उपजे इस अक्षम्य अपराध ने भारत में कुकुरमुत्तों की तरह सक्रिय नकली फार्मा कंपनियों की ओर दुनिया का ध्यान करा दिया है। जाली फार्मा कंपनियों का जाल इस समय देश में फैला हुआ है। नकली दवाइयों के निर्माण में अभी तक चीन बदनाम था। पर, तीन वर्ष पहले जब भारतीय फार्मा कंपनियों द्वारा निर्मित नकली कफ सिरप के पीने से अफ्रीकी देशों में 50 से भी अधिक बच्चों की जब मौत हुई तो दुनिया की नजरों में भारत आ गया। ताजा घटना ने इन चचाओं को और हवा दे दी है। विदेशी अखबारों में भी कफ सिरप कांड की खबरें प्रमुखता से छप रही हैं। इससे भारतीय फार्मा कंपनियों की साख को काफी धक्का पहुंचा है। खबरें ऐसी भी हैं कि कुछ देशों ने पहले से करार दवाइयों के ऑर्डरों को निरस्त करना भी शुरू कर दिया है। अफ्रीकी देश तो पहले से ही चौकन्ने हैं। भारत में बनीं कफ सिरप पीकर जब अफ्रीकी बच्चों की मौत हुई तब इसे लेकर केंद्र सरकार ने जुमार्ने सहित तमाम कठोर कदम उठाए थे। कई फार्मा कंपनियों को ब्लैकलिस्ट और कइयों के लाइसेंस निरस्त किए गए थे। लेकिन दोबारा ऐसी कंपनियां सक्रिय हो गई हैं जिससे अफ्रीका जैसी घटना की पुनरावृत्ति भारत में हुई है। राजस्थान-मध्य प्रदेश में कथित रूप से कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत के मामलों ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। ऐसी खबरें आती हैं कि नकली दवा के सेवन से मरीजों की किडनियां खराब हुईं, जिससे उनकी मौत भी हुई। सभी जानते हैं कि भारत में जेनेरिक दवाओं के वितरण में बड़ा घपला है। आमजन से लेकर सरकारें भी इस सच्चाई से वाकिफ होती हैं कि दवा क्षेत्र में बड़े माफिया सक्रिय हैं लेकिन इनके खिलाफ की गई हर कार्रवाई बौनी साबित हुई है।

भारत में निर्मित दवाओं की गुणवत्ता काफी समय से सवालों के घेरे में है। जेनेरिक दवाओं के वितरण में भारत में करीब 15 से 20 हजार औषधि केंद्र संचालित हैं। जबकि, इनकी संख्या इस साल के अंत तक 25 हजार तक पहुंचाने का लक्ष्य केंद्र सरकार ने निर्धारित किया हुआ है। लेकिन इनके भीतर कितना गड़बड़झाला है, जिसकी भनक मरीजों को जरा भी नहीं है। फार्मा कंपनियों और कमीशनखोरों को अच्छे से पता होता है कि मरीज दवाओं के नाम पर हर वह चीज गटक जाएंगे जो उन्हें दी जाएगी और उन्हें इसका पता भी नहीं चलेगा। कमोबेश, हो भी कुछ वैसा ही रहा है। बहरहाल, मौजूदा कफ सिरप कांड ने न सिर्फ स्वास्थ्य सिस्टम को हिलाया है, बल्कि पूरा देश सोचने पर मजबूर है। कफ सिरप के नाम पर भारत में बीते कई वर्षों से मासूमों को जहर पिलाया जा रहा है। भांड़ा तब फूटा जब दर्जन भर के करीब बच्चे मौत के मुंह में समा गए। इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी कोई जिम्मेदारी नहीं ले रहा। दवाओं के नाम पर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ से बड़ा अपराध दूसरा नहीं हो सकता। गलत दवा लिखने वाले चिकित्सकों पर कड़ा एक्शन हो और मुनाफा कमाने के भूखे विक्रेताओं पर सरकारी चाबुक चले- ऐसी कल्पना सभी करते हैं। लेकिन दुर्भाग्य ऐसा होता नहीं। भारत में 3,000 से अधिक दवा कंपनियां रजिस्टर्ड हैं जिनके पास 10,500 से अधिक विनिर्माण इकाइयां हैं। यह उद्योग जेनेरिक दवाओं के निर्माण और आपूर्ति पर केंद्रित है। दवा निर्माण में भारत वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण स्थान रखता है लेकिन अपने काले कारनामों के चलते ये फार्मा कंपनियां सभी की नजरों में आ गई हैं। भारतीय फार्मा उद्योग का कुल बाजार साल 2030 तक 130 मिलियन अमेरिकी डॉलर और साल 2047 तक 450 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय दवा कंपनियों से केंद्र सरकार को वित्त वर्ष 2025 में करीब 11 फीसदी अधिक राजस्व हासिल हुआ।

हालांकि, केंद्र सरकार कफ सिरप कांड को लेकर एक्शन में है। छोटे बच्चों को कफ सिरप नहीं देने को लेकर एडवाइजरी जारी कर गई है। साथ ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाही का आश्वासन भी दिया है। लेकिन उन बच्चों का क्या जो किसी की लापरवाही के चलते अपना जीवन गंवा गए। क्या उनके परिजनों को केवल मुआवजा देकर क्या उनके जख्मों को भरा जा सकेगा?

समय के साथ बदल रहा है डाक विभाग

जब रॉबर्ट क्लाइव ने 1766 में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की। वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कोलकाता में पहला डाकघर खोला और 1854 में लॉर्ड डलहौजी ने भारत में एक राष्ट्रीय डाक सेवा की शुरूआत की। आज भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क में से एक है जो बैंकिंग, बीमा और अन्य सेवाओं के साथ आम आदमी का भरोसेमंद साथी है।

रमेश सर्राफ

पूरी दुनिया में 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टाकियो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। 01 जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है। भारत में डाकघर का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से शुरू होता है जब रॉबर्ट क्लाइव ने 1766 में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की। वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कोलकाता में पहला डाकघर खोला और 1854 में लॉर्ड डलहौजी ने भारत में एक राष्ट्रीय डाक सेवा की शुरूआत की। आज भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क में से एक है जो बैंकिंग, बीमा और अन्य सेवाओं के साथ आम आदमी का भरोसेमंद साथी है। 01 अक्टूबर 1854 को भारतीय डाक विभाग की स्थापना के साथ भारत में पहली बार डाक टिकट भी जारी किया गया था। विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है, वह लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को नया रूप-रंग दिया। पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर केंद्रित थी।

हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने हाथों से चिट्ठियां लिखना छोड़ दिया है। अब ई-मेल, वाट्सएप व सोशल मीडिया, इंटरनेट के माध्यमों से मिनटो में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है। आज डाक में लोगों की चिट्ठियां तो गिनती की ही आती है। मनीआर्डर भी बन्द ही हो गये हैं। मगर डाक से अन्य सरकारी विभागों से सम्बन्धित कागजात, बैंको व अन्य संस्थानो के प्रपत्र काफी संख्या में आने से डाक विभाग का महत्व फिर से एक बार बढ़ गया है। डाक विभाग कई दशकों तक देश के अंदर ही नहीं बल्कि एक देश से दूसरे देश तक सूचना पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय, सुगम और सस्ता साधन रहा है। लेकिन इस क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते दबदबे और फिर सूचना तकनीक के नये माध्यमों के प्रसार के कारण डाक विभाग की भूमिका लगातार कम होती गयी है। वैसे इसकी प्रासंगिकता पूरी दुनिया में आज भी बरकरार है।भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर - सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान, एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान - से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी।

कुछ वर्ष पूर्व तक डाक विभाग हमारे जनजीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो लोग अपनी या अपने पड़ोसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार ना होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थी। इसलिये चिट्ठी लाने वालों से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़, पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे। उस वक्त गांवों में बैक शाखा नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे। मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। डाक विभाग अति आवश्यक संदेश को तार के माध्यम से भेजता था। तार की दर अधिक होने से उसमें संक्षिप्त व जरूरी बातें ही लिखी जाती थी। तार भी साधारण और जरूरी होते थे। जरूरी तार की दर सामान्य से दोगुनी होती थी। देश में पहली बार 11 फरवरी 1855 को शुरू हुई तार सेवा को सरकार ने 15 जुलाई 2013 से बन्द कर दिया है। इसके साथ ही डाक विभाग ने रजिस्टर्ड डाक सेवा को भी 01 अक?टूबर 2025 से स्पीड पोस्ट में विलय कर दिया है।भारतीय डाक विभाग पिनकोड नम्बर (पोस्टल इंडेक्स नम्बर) के आधार पर देश में डाक वितरण का कार्य करता है। पिनकोड नम्बर का प्रारम्भ 15 अगस्त 1972 को किया गया था। इसके अन्तर्गत डाक विभाग द्वारा देश को नो भौगोलिक क्षेत्रो में बांटा गया है। संख्या 1 से 8 तक भौगोलिक क्षेत्र हैं व संख्या 9 सेना की डाक सेवा को आवंटित किया गया है। पिन कोड की पहली संख्या क्षेत्र दूसरी संख्या उपक्षेत्र, तीसरी संख्या जिले को दशार्ती है। अन्तिम तीन संख्या उस जिले के विशिष्ट डाकघर को दशार्ती है। डाक विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) शुरू किया है। देश के हर व्यक्ति के पास बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के क्रम में यह एक बड़ा विकल्प होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने देशभर में बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस के माध्यम से देश का सबसे बड़ा बैंकिंग नेटवर्क अस्तित्व में आएगा, जिसकी हर गांव तक मौजूदगी होगी। इन सेवाओं के लिए पोस्ट विभाग के 11000 कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को बैंकिंग सेवाएं देंगे।

अंडमान-निकोबार के विकास में रोड़ा बनती कांग्रेस

भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश की अनुमति नहीं दे सकती। हमें न्याय के इस उपहास और राष्ट्रीय मूल्यों के साथ इस विश्वासघात के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए ह्य इसके पहले राहुल गांधी ने भी जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम को लिखे पत्र में इस परियोजना पर आपत्ति जताई थी।

प्रमोद भार्गव

महान निकोबार ढांचागत परियोजना के विकास में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी रोड़ा बन रही हैं। इस परियोजना पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में कहा है कि ह्यशोम्पेन और निकोबारी जनजातियों का अस्तित्व इस परियोजना के चलते दांव पर है। भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश की अनुमति नहीं दे सकती। हमें न्याय के इस उपहास और राष्ट्रीय मूल्यों के साथ इस विश्वासघात के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए।ह्य इसके पहले राहुल गांधी ने भी जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम को लिखे पत्र में इस परियोजना पर आपत्ति जताई थी। विडंबना देखिए मां-बेटे को एक अत्यंत संरचनात्मक विकास परियोजना पर तो आपत्ति है लेकिन उन्हें कभी आदिवासियों के ईसाई और इस्लामीकरण पर आपत्ति नहीं होती है। दोनों के मुख से कभी नहीं सुना गया कि जबरन धर्मांतरण कतई न्यायसंगत नहीं है। दूरांचल में समुद्र तटीय क्षेत्रों में भारत विकास की दृष्टि से पीछे रहा है। उन तटीय क्षेत्रों पर भी हमने ध्यान नहीं दिया, जो देश के लिए नई आर्थिकि और चीन जैसे देश से चुनौती के लिए सामरिक दृष्टि से अहम हो सकते हैं। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह इस नाते अछूता है। इस परिप्रेक्ष्य में हम इस क्षेत्र को एक तो प्रसिद्ध सेल्यूलर जेल के नाम से जानते हैं, जो अब राष्ट्रीय स्मारक है। दूसरे उन जनजातियों के लिए जानते हैं, जो आज भी भारत की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पाई हैं। नतीजतन अपनी परंपरागत प्राकृतिक अवस्था में रहकर प्रकृति से ही गुजर-बसर कर रही हैं। किंतु अब इस उपेक्षित क्षेत्र की तस्वीर बदलने जा रही है। सिंगापुर की तर्ज पर निकोबार के तट का विकास केंद्र सरकार बड़ी मात्रा में धन का निवेश करके ह्यमहान निकोबार द्वीप परियोजनाह्य (जीएनआई) के अंतर्गत कर रही है। 75 हजार करोड़ की इस बृहद परियोजना के तहत कई परियोजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने की तैयारी है। निकोबार द्वीप समूह 10 हजार 44 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है। बंगाल की खाड़ी में पोत परिवहन को नया आयाम देते हुए 10 हजार करोड़ रुपए की लागत से एक पोतांतरण बंदरगाह (ट्रांसशिपमेंट पोर्ट) का निर्माण करने की योजना निमार्णाधीन है। यह बंदरगाह विकास से जुड़ी गतिविधियों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित होगा। विकास के इसी क्रम में चेन्नई से अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने वाली देश की पहली समुद्री ऑप्टिकल फाइबर परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 9 अगस्त 2022 को कर चुके हैं। देश की मुख्य भूमि से 2312 किसी दूर तक तार को समुद्री जल के भीतर बिछाया गया है। इस कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य में 1224 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इस बंदरगाह को समुद्री जल मार्ग की प्रमुख गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। वैसे भी यह क्षेत्र दुनिया के कई पोतांतरण बंदरगाहों की तुलना में काफी प्रतिस्पर्धा दूरी पर स्थित है। बदलती जरूरतों के परिप्रेक्ष्य में पूरी दुनिया यह मानकर चल रही है कि जिस देश में हवाई अड्डों और बंदरगाहों का नेटवर्क और कनेक्टिविटि जितनी बेहतर होगी, इक्कीसवीं सदी के व्यापार में वही देश अग्रणी रहेंगे। ऐसे में इस दूरांचल में ढांचागत सुविधाएं बढ़ेंगी तो अंचल का विकास तो होगा ही, अन्य भारतीयों से समरसता भी बढेगी। एक बार जब यह बंदरगाह बन जाएगा तो यहां बड़े-बड़े देशी-विदेशी जहाज भी रुकने लगेंगे। इससे समुद्री व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी और युवाओं को नए रोजगार पैदा होंगे। अकुशल मजदूरों को भी काम-धंधा मिलेगा। इस द्वीप पर विकसित किए जा रहे माल-परिवहन के दो रणनीतिक कंटेनर पोतांतरण टर्मिनल के दो भौगोलिक फायदे होंगे। पहला, यह व्यस्त पूर्वी-पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय जहाज रानी मार्ग के निकट है। अतएव शुरू होने के बाद यह पोतांतरण की बेहतर सुविधा देगा, नतीजतन व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी। दूसरे, इस क्षेत्र में आधुनिक ढंग से निर्मित जहाजों से माल उतारने-चढ़ाने की सुविधाएं बंदरगाह पर उपलब्ध होंगी, इस कारण बड़े जहाजों की आवाजाही बढ़ेगी। फिलहाल भारत के ज्यादातर बंदरगाहों पर बड़े जहाज बंदरगाह के प्लेटफॉर्म तक नहीं पहुंच पाते हैं। अतएव छोटे जहाजों में माल उतार व लादकर गंतव्य तक पहुंचने का अतिरिक्त श्रम व मजदूरी लगती है। इस प्रक्रिया में माल का खर्च बढ़ जाता है। अंडमान-निकोबार प्रशासन ने कुछ समय पहले ही महान निकोबार द्वीप की दक्षिणी खाड़ी में मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्र विकसित करने के लिए कंटेनर पोतांतरण टर्मिनल के लिए प्रक्रिया आरंभ की है। इससे भारतीय पोत परिवहन को कोलांबो (लंका), सिंगापुर और मलेशिया के क्लांग बंदरगाह में पोतांतरण का नया विकल्प हासिल होगा। दरअसल वर्तमान में भारत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए एक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। साथ ही वैश्विक स्तर पर विनिर्माण और वस्तुओं की आपूर्ति की कड़ी में अहम भागीदारी कर खुद को एक विश्वसनीय कारोबारी के रूप में स्थापित करने में लगा है। इससे भारत को समुद्र में देशी-विदेशी यातायात और समुद्री संपदा से आर्थिकी और रोजगार के नए मार्ग खुलेंगे। चीन के निकट होने के कारण इस बंदरगाह का सामरिक रूप में भी रणनीतिक व कूटनीतिक उपयोग किया जा सकेगा। विकास पूर्ण हो जाने पर यहां मछली पालन एक्वाकल्चर और सीवीड फॉर्मिंग का कारोबार बढ़ेगा। भारत के व्यापारी ही नहीं दुनिया के कई देश इस परिप्रेक्ष्य में व्यापार की बड़ी संभावनाएं देख रहे हैं। इस दृष्टि से पोर्टब्लेयर में एक पायलट परियोजना शुरू की गई थी, जिसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। गुजरात के भावनगर स्थित ह्यकेंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थानह्य पिछले कई वर्शों से काम कर रहा है। भारत में लगभग 8,118 किमी समुद्र तटीय क्षेत्र है। इस पूरे क्षेत्र में मछलियों और समुद्री शैवाल व एल्गी का बड़ी मात्रा में प्राकृतिक रूप से उत्पादन होता है। प्रधानमंत्री ह्यमत्स्य संपदा योजनाह्य के अंतर्गत 640 करोड़ रुपए इस संपदा को सुगम खाद्य पदार्थ में बदलने के लिए दिए गए हैं। अंडमान-निकोबार से लेकर समुद्र तटीय मछुआरों की हालत भी मैदानी क्षेत्रों में फैले गरीब व पराश्रित किसानों जैसी ही है। इन तटवर्ती क्षेत्रों में मछली पकड़कर आजीविका चलाने वाले मछुआरों की संख्या करीब आठ करोड़ है। बड़ी नदियों से मछली पकड़ कर गुजारा करने वाले भी करीब तीन करोड़ मछुआरे हैं। गोया, तय है अंडमान-निकोबार क्षेत्र में तटवर्ती मछुआरों को इस क्षेत्र के विकास का सीधा लाभ मिलेगा। मछली और सीवीड का कारोबार बढ़ेगा, जिससे इस समुदाय की समृद्धि बढ़ेगी। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का निकोबार क्षेत्र आरक्षित जैवमंडल (बायोस्फीयर) क्षेत्र में आता है। इसे 2013 में विशेष जैवमंडल का दर्जा दिया गया था। भारत में कुल 18 जैवमंडल क्षेत्र हैं, उनमें से एक निकोबार जनजातीय (आदिवासी) आरक्षित वन-भूमि की श्रेणी में है। इस समुद्री क्षेत्र में विशेष प्रजाति के लैदरबैक कछुए, खारे पानी में रहने वाले मगरमच्छ, निकोबारी केकड़े खाने वाले मकाक और प्रवासी पक्षी शामिल हैं। जिनका इस बहुआयामी विकास परियोजना से प्रभावित होना तय है। निमार्णाधीन पोतांतरण टर्मिनल, ऊर्जा संयंत्र, हवाई अड्डा और आवासीय भवन भी बनाए जा रहे हैं। उत्तरी और मध्य अंडमान के बीच सड़क सुविधा को बेहतर बनाने के लिए दो बड़े पुल निमार्णाधीन हैं और यहां के राष्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस कारण पर्यावरणविद् यह आशंका जता रहे हैं कि इससे यहां के प्राचीन वर्षावनों को भारी क्षति होगी। इन्हें हानि होगी तो कई दुर्लभ प्राणी व वनस्पतियों की प्रजातियां और इस भू-भाग का मानसून भी प्रभावित होगा। यही नहीं, निकोबार द्वीप समूह में गिनती के रह गए जो जनजातीय समूह आदिम अवस्था में रहते हैं, उनका नैसर्गिक जीवन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इनमें शोम्पेन और निकोबारी वनवासी जनजातियां शामिल हैं। इनकी संख्या करीब 1761 है। निकोबार में एक विशेष प्रजाति का- न उड़ सकने वाले पक्षी मेगापॉड का भी घर है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पति की लंबी उम्र और अखंड सौभाग्य के लिए करवा चौथ व्रत

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ अथवा करक चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। इस दिन सौभाग्यवती स्त्रियों के लिए गणेशजी की पूजा करने का विधान है। भारतीय वाड्मय में गणेश जी की पूजा किसी भी कार्य के प्रारम्भ में करने की प्रथा सदैव से हो रही है, क्योंकि सभी देवों में इन्हें अनादि देव माना गया है। अतः गणेश जी की पूजा सर्वप्रथम होती है।

भगवान शिव-पार्वती ने भी अपने विवाह काल में सर्वप्रथम गणेशजी की पूजा की थी। इसका उल्लेख कवि कुल सम्राट गोस्वामी तुलसीदास जी ने अपने महाकाव्य में किया है। इस व्रत की पूजा को आवश्यक कहा गया है। करवा चौथ

के दिन व्रती को नित्य कर्म से निवृत्त होकर गणेशजी की पूजा के लिए मन में दृढ़ संकल्प करना चाहिए कि मैं आज दिन भर निराहार रहकर गणेशजी के ध्यान में तत्पर रहूंगी और रात्रि में जब तक चंद्रोदय नहीं हो जायेगा तब तक निर्जल व्रत करूंगी। व्रत के दिन सायंकाल में घर की दीवार को गोबर से लीपकर उसके ऊपर गेरू की स्याही बनाकर उससे गणेश, पार्वती, शिव, कार्तिकेय आदि देवों की प्रतिमा बनानी चाहिए। साथ ही एक वटवृक्ष मानव की आकृति बनाकर दिखानी चाहिए। उस मानवाकृति के हाथ में छलनी भी होनी चाहिए। पास में उदित होते हुए चांद की आकृति भी उस दीवार पर चित्रित करनी चाहिए। पूजन काल में उस प्रतिमा के नीचे दो करवों (तांबा, पीतल, मिट्टी आदि से निर्मित एक विशेष प्रकार का पात्र, जिसके सिर पर जल गिराने के लिए एक टोंटी लगी रहती है) में जल भरकर रखना चाहिए। उस करवे के गले में नारा लपेटकर सिंदूर से रंगना चाहिए और उसकी टोंटी में सरई की सींक लगानी चाहिए। तदनन्तर करवे के ऊपर चावल से भरा हुआ कटोरा रखकर सुपारी भी रखनी चाहिए। नैवेद्य के रूप में उस पर चावल का बना हुआ लड्डू रखें। इसके अतिरिक्त प्रतिमा के पास खीर, पूड़ी, चावल के आटे में उड़द की पीठी भरकर पकाया हुआ पकवान भी नैवेद्य के रूप में अर्पित करें। इसके अतिरिक्त ऋतु फल के अनुसार सिंघाड़ा, केला, नारंगी, गन्ना आदि जो कुछ भी पदार्थ उपलब्ध हो, उसे अर्पित कर भक्तिपूर्वक कथा श्रवण करें। कथा के अंत में पूर्व में स्थापित उन करवों को दाहिनी ओर से बायीं ओर और बायीं ओर रखे हुए करवे को दाहिनी ओर घुमाकर स्थापित कर दें। इस प्रक्रिया को लोकभाषा में करवा फेरना भी कहते हैं। इस प्रकार विधि विधानपूर्वक पूजन करने से व्रती के ऊपर गणेश जी की प्रसन्नता होती है और इसके फलस्वरूप उसे मनोवांछित फल की प्राप्ति एवं अखण्ड सौभाग्यता मिलती है।

करवा चौथ व्रत कथा

एक समय की बात है कि एक करवा नाम की पतिव्रता स्त्री अपने पति के साथ नदी के किनारे के गांव में रहती थी। एक दिन उसका पति नदी में स्नान करने गया। स्नान करते समय वहां एक मगर ने उसका पैर पकड़ लिया। वह मनुष्य करवा-करवा कह के अपनी पत्नी को पुकारने लगा। उसकी आवाज सुनकर उसकी पत्नी करवा भागी चली आई और आकर मगर को कच्चे धागे से बांध दिया। मगर को बांधकर यमराज के यहां पहुंची और यमराज से कहने लगी- हे भगवन! मगर ने मेरे पति का पैर पकड़ लिया है। उस मगर को पैर पकड़ने के अपराध में आप अपने बल से नरक में ले जाओ। यमराज बोले- अभी मगर की आयु शेष है, अतः मैं उसे नहीं मार सकता। इस पर करवा बोली, अगर आप ऐसा नहीं करोगे तो मैं आप को श्राप देकर नष्ट कर दूंगी। सुनकर यमराज डर गए और उस पतिव्रता करवा के साथ आकर मगर को यमपुरी भेज दिया और करवा के पति को दीघार्यु दी। हे करवा माता! जैसे तुमने अपने पति की रक्षा की, वैसे सबके पतियों की रक्षा करना।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

देवी दुर्गा के प्रतिमा का हुआ विसर्जन

बासुकीनाथ : शारदीय पुर्णिमा मंगलवार को जरमुंडी प्रखंड के सरडीहा गांव के प्राचीन दुर्गा मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा का धूमधाम से गाजे बाजे के साथ देर शाम में सरडीहा के यक्ष पोखर में सैकड़ों गांव वालों की मौजूदगी में विसर्जन किया गया । मां दुर्गा को सरडीहा के ग्रामीणों एवं मेला में आए सैकड़ों लोगों ने अश्रुपूर्ण नेत्रों से विदाई दिया । प्रत्येक वर्ष शारदीय पुर्णिमा में सरडीहा गांव में मूर्ति विसर्जन के दिन भारी मेला लगता है । जिसमें सरडीहा गांव के ग्रामीणों सहित जरमुंडी प्रखंड के दर्जनों गांव के सैकड़ों ग्रामीण अपने परिजनों के साथ मेला देखने उत्साह पूर्वक आते हैं । सरडीहा मेले का इतिहास लगभग सौ वर्ष पुराना है । पहले गांव में मिट्टी से निर्मित दुर्गा मंदिर था । लेकिन इस वर्ष वहां के ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से पक्का का दुर्गा मंदिर का निर्माण कराया है । सरडीहा दुर्गा मंदिर में प्रत्येक वर्ष शारदीय नवरात्र में विधि विधान से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर सभी ग्रामीण धूमधाम से मां दुर्गा की पूजा अर्चना करते हैं । सरडीहा गांव निवासी जिला स्कूल दुमका के सेवा निवृत प्राचार्य अनंत लाल खिरहर बताते है कि सरडीहा गांव के ग्रामीणों का मां दुर्गा पर बहुत आस्था है । मां दुर्गा गांव में आने वाले आगत संकटों से ग्रामीणों की रक्षा करती है । अश्विन शुक्लपक्ष अष्टमी तिथि से सभी ग्रामीणों द्वारा लगातार आठ दिन तक मां देवी दुर्गा की पूजा अर्चना नेम निष्ठा से किया जाता है । शारदीय पुर्णिमा के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन धूमधाम से किया जाता है । मेले में खानपान की दर्जनों दुकानें,बच्चों के विभिन्न प्रकार के खिलौना एवं जरुरत के अन्य समानों की दुकानें लगती हैं।

परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथि घोषित

दुमका : सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका द्वारा बीबीए/बीसीए (सेमेस्टर-सत्र 2024-27) परीक्षा 2025 के लिए परीक्षा प्रपत्र भरने की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। विद्यार्थी बिना विलंब शुल्क के 10-20 अक्टूबर 2025 ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। ₹200 के विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरने की तिथि 21 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित की गई है, जबकि ₹500 के विलंब शुल्क के साथ फॉर्म 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2025 तक भरे जा सकेंगे। कॉलेजों/विभागों द्वारा परीक्षा फॉर्म की हार्डकॉपी 30 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 के बीच जमा की जानी है। परीक्षा आरंभ होने से 7 दिन पूर्व तक विद्यार्थी केवल ऑनलाइन माध्यम से ₹1000 विलंब शुल्क के साथ भी फॉर्म भर सकते हैं। छात्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं एवं भुगतान की रसीद के साथ हार्डकॉपी संबंधित कॉलेज में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।

जिला कार्यकारिणी समिति की हुई बैठक

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में बुधवार को जिला कार्यकारिणी समिति की बैठक का आयोजन समाहरणालय में किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के जिला चयन समिति की बैठक में शिक्षा संबंधी नियुक्तियों और प्रमोशन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने सीधी नियुक्ति, पदस्थापन, सेवासंपुष्टि, वरीय वेतनमान की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सेवासंपुष्टि एवं वरीय वेतनमान से संबंधित कार्य अवधि जो शिक्षक पूर्ण कर लिए हैं उसकी आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। आगे उपायुक्त ने जिले में चयनित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय और झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय शिक्षक नियुक्ति के संबंध में आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

अखिल भारतीय कुमार वैश्य महासभा महिला मंडल की अध्यक्ष बनी कंचन

साहिबगंज : अखिल भारतीय ऊमर वैश्य महासभा महिला मंडल का गठन बुधवार को स्थानीय अतिथि पैलेस,नया सड़क में पर्यवेक्षक अ.भा. ऊमर वैश्य महासभा के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार साह, सचिव आनंद मोदी एवं कोषाध्यक्ष सतीश कुमार साह के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।जिसमे अध्यक्ष कंचन कुमारी, उपाध्यक्ष पूजा कुमारी चित्रलेखा गुप्ता,सीमा देवी,पूनम मोदी,अनीता देवी,सचिव बनी पिंकी मोदी,सह सचिव ज्योति देवी,सुमित्रा देवी व गायत्री देवी को बनाया गया।कोषाध्यक्ष खुशबू गुप्ता और सविता देवी को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया।वहीं,संगठन मंत्री का दायित्व शालिनी गुप्ता व नीलम देवी को दिया गया।मीडिया प्रभारी प्रज्ञा कुमारी को बनाया गया।कार्यकारिणी सदस्य कुमारी पलक रीना गुप्ता,सुकन्या देवी, प्रियंका देवी,गुड़िया देवी,प्रीति देवी, राखी कुमारी,खुशबू कुमारी,उर्मिला देवी को बनाया गया।इस बैठक में ऊमर वैश्य समाज की दर्जनों महिलाएं उपस्थित थी।इस मौके अध्यक्ष कंचन देवी सभी महिलाओं को एकजुट होने की अपील की।वहीं धन्यवाद ज्ञापन सचिव पिंकी ने किया।

जिले से सटे बिहार सीमा क्षेत्र के चेकनाकों पर कड़ी निगरानी रखी जाए : उपायुक्त

फार्मासिस्ट विहीन मेडिकल दुकानों पर होगी कार्रवाई, झारखंड बिहार बॉर्डर पर बढ़ी निगरानी

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला स्तरीय कमिटी की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।बैठक में जिले में नशा नियंत्रण, अवैध दवा व्यापार पर रोकथाम और ड्रग्स संबंधित अपराधों की रोकथाम के लिए विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि जिले में नशीले पदार्थों की बिक्री, दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध वितरण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। इस दिशा में समन्वित कार्यवाही के लिए ड्रग टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा ड्रग इंस्पेक्टर पदाधिकारी को शामिल किया गया है।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी पदाधिकारी अगली बैठक से पूर्व जिले के सभी मेडिकल दुकानों की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन मेडिकल दुकानों में फार्मासिस्ट उपस्थित नहीं पाए जाएंगे उनके विरुद्ध जुमार्ना वसूला जाएगा तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।इसके साथ ही बिहार राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त ने निर्देशित किया कि जिले से सटे बिहार सीमा क्षेत्र के चेक नाकों पर कड़ी निगरानी रखी जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, नशीले पदार्थों की आवाजाही या अवैध कारोबार को रोका जा सके।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि नशा-मुक्त समाज की दिशा में जिला प्रशासन गंभीर है और सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सतर्कता, निगरानी और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिशा में ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया।बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगानंद झा, ड्रग इंस्पेक्टर चंदन कस्यप सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षक का पूरा जीवन समाज में शिक्षा का अलख जगाना है : सालोमी मुर्मू

संवाददाता

दुमका : केन्द्रीय कन्या मध्य विद्यालय, दुमका की प्रभारी प्रधानाध्यपिका सालोमी मुर्मू का स्थानांतरण साहेबगंज जिला में हो जाने के कारण विद्यालय परिवार द्वारा श्रीमती मुर्मू के लिए विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस विदाई सह सम्मान समारोह में प्रभारी प्रधानाध्यपिका सालोमी मुर्मू को विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के द्वारा सम्मलित रूप से शाल ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया।विद्यालय परिवार द्वारा इस अवसर श्रीमती मुर्मू को उपहार भी प्रदान किया गया। सालोमी मुर्मू ने अपने सेवाकाल के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि मेरी नियुक्ति 2016 में हुई थी। नियुक्ति के बाद मेरा पदस्थापना केंद्रीय बालक मध्य विद्यालय दुमका में में हुआ था। विद्यालय मर्जर के बाद मैं 2018 में केंद्रीय कन्या मध्य विद्यालय, दुमका में सहायक शिक्षिका के रूप में योगदान दी। 2021 में मैं प्रभारी प्रधानाध्यपिका के रूप में प्रभार ग्रहण की। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि इस विद्यालय के सभी सदस्यों से हमेशा सहयोग मिला। श्रीमती मुर्मू ने कहा कि शिक्षक का पूरा जीवन समाज मे शिक्षा का अलख जगाकर राष्ट्र को विकास की नई राह पर ले जाने के लिए समर्पित होता है। विद्यालय की वर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यपिका स्टेनशिला मुर्मू ने निवर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यपिका सालोमी मुर्मू को आगे की सेवाकाल एवं स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निवर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यपिका सालोमी मुर्मू जहाँ भी रहे स्वस्थ रहते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा पूर्वक करती रहें। विद्यालय की वरीय शिक्षिका कल्पना कुमारी ने कहा कि निवर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यपिका सालोमी मुर्मू के रूप में विद्यालय का एक सदस्य हमलोगों से बिछुड़ रहा है जिससे कष्ट हो रहा है लेकिन विभागीय निदेर्शानुसार मैडम जहाँ भी रहे सदा स्वस्थ एवं खुशहाल रहे। विद्यालय की पूर्व शिक्षिका ज्योति मुर्मू ने कहा कि मैडम से हमे भी बहुत कुछ सीखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कहा कि मैडम स्वस्थ रहते हुए अपने नए कर्तव्यभूमि में अपने कर्तव्यों का पालन करती रहें। विद्यालय की शिक्षिका निक्की कुमारी ने कहा कि मैडम का व्यवहार हमेशा व्यवहार कुशल एवं सहयोगी रहा। मौके पर उपस्थित विद्यालय की शिक्षिका राजकुमारी, कल्पना कुमारी, विनीता झा, पूजा रानी,निक्की कुमारी, ज्योति मुर्मू, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संजू कुमारी एवं विद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं ने निवर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यपिका सालोमी मुर्मू को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

रेलवे पैदल पुल बंद होने से यात्रियों को हो रही है कठिनाई

संवाददाता

साहिबगंज : मालदा डिवीजन अंतर्गत साहिबगंज रेलवे स्टेशन के एक नंबर में अवस्थित रेलवे पैदल पुल लगभग एक माह से यूं ही बंद पड़ा हुआ है।रेलवे सूत्रों के अनुसार यह पैदल पुल अमृत भारत के तहत नया निर्माण किया गया था जो क्षतिग्रस्त हो गया है। यह भी बात सोचने वाली है की नया पुल कैसे हुई क्षतिग्रस्त यह तो सवाल उठता है।

लेकिन वहीं दूसरी ओर अगर दो नंबर एवं तीन नंबर प्लेटफार्म पर ट्रेन रूकती है ।तो यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। प्रत्येक दिन यात्री कभी लाइन पार करते हैं। कभी लिप्ट से जाने के क्रम में यात्रियों की ट्रेन छूट जाती है। इसका जिम्मेवार कौन आखिर कब तक रेलवे पैदल पुल की मरम्मती होगी।विदित हो कि दो से तीन दिन पहले भी मालदा डिविजन के रेलवे अधिकारी निरीक्षण हेतु साहिबगंज पहुंचे थे।फिर भी इस ओर किसी का ध्यान नहीं दिया गया है।वही रेलवे यात्री सुनिल सिंह,मनोरंजन प्रसाद और महिला यात्री सुनीता दवी , मरियम हेंब्रम, सहित दर्जनों स्कूली छात्र एवं छात्राओं ने बताया कि हम लोग धुलियान पैसेंजर पकड़ने के लिए साहिबगंज स्टेशन आए और टिकट कटा कर जब तीन नंबर प्लेटफार्म पर जाने के लिए लिफ्ट का सहारा लिए लेकिन लिफ्ट मे अत्यधिक भीड़ रहने के कारण तीन नंबर प्लेटफार्म नहीं जा सके तब तक गाड़ी खुल चुकी थी।यात्रियों ने कहा कि क्या अमृत भारत के नाम पर सिर्फ लूट खसोट बड़ी जोर शोर से हो रही है। जनता के पैसे का दुरुपयोग भी हो रहा है।

चोरी के सामान के साथ चार चोर गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज : मिर्जाचौकी थाना में जगह नहीं होने के कारण जब्त सामानों को थाना से करीब दो किलो मीटर दूर चार नंबर गोचर भूमि पर तार से घेरकर सामान रखा गया था।यहां थाना कांड संख्या 38/25 के तहत जब्त किए समान भी रखा गया।इस मामले में वहां रखा जब्त हाइवा एन एल 01 ए डी 4289 की बैटरी,चार एक्सल,रेडिवाटर, सपाट, स्पीडोमीटर सहित अन्य सामानों की अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली।थाना पुलिस ने मलखान से हुए चोरी की सूचना वरीय अधिकारियों को देकर मामले की जांच शुरू की गई।पर काफी प्रयास की बाद भी चोरों का पता नहीं चल पाया।इस मामले को लेकर मिजाचौकी थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध कांड संख्या 65/25 दर्ज किया गया।इस मामले का उद्भेदन करते हुए सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस वार्ता कर बताया कि तफ्तीश के क्रम में पुलिस ने मामले की अप्राथमिक आरोपी मिजाचौकी थाना क्षेत्र के तेतरिया निवासी शाहनवाज अंसारी उर्फ छोटू 21,नाजिम अंसारी उर्फ बंगडू 27 आदिल अंसारी 21 और भोला प्रसाद वर्णवाल 58 को गिरफ्तार कर पूछताछ किया।पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार किया है।बताया कि पुलिस ने एक बैटरी और हाइवा का दो एक्सल बरामद किया है।छापामारी दल में थाना प्रभारी पुअनि रुपेश कुमार यादव,पुअनि विक्रम कुमार बाउरी, पुअनि प्रवीण कुमार प्रभाकर,मामले के अनुसंधानकर्ता सअनि वीरेंद्र सोरेन, सअनि कृष्णा सिंह और सअनि शिवलाल मरांडी शामिल थे।

ड्राइवरी अनुज्ञप्ति बनाने में भी बिचौलिए पैसे की कर रहे उगाही : यादव

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल निरिक्षण भवन में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक का जिला स्तरीय समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई।बैठक में मुख्य अतिथि केन्द्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मौजूद थे।बैठक मे विगत माह में संघ के पंचायत स्तरीय,प्रखंड स्तरीय जिला स्तरीय सभी उपस्थित सदस्यों के एवं पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की गई।समीक्षोपरांत जिला समिति में कुछ सदस्यों एवं पदाधिकारियों को पद मुक्त करते हुए उनके स्थान पर नए लोगों को पद भार ग्रहण कराया गया।जिसमे कार्यकारी अध्यक्ष दम बसु के स्थान पर मोहम्मद सद्दाम अंसारी,जिला उपाध्यक्ष शिवलाल ठाकुर के स्थान पर निखिल यादव,संगठन मंत्री विरबल मंडल के स्थान पर कल्पना कुमारी,जिला सदस्य पंकज ठाकुर एवं मुकर्रम शेख के स्थान पर अंसार खान को जिला सदस्य एवं प्रवक्ता तथा सुष्मिता कुमारी को जिला सदस्य के लिए योगदान करवाया गया।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव के द्वारा साहिबगंज में श्रम अधिक्षक के पोस्ट रिक्त होने के कारण मजदूरों की बहुत सारी समस्याएं बैगैर निपटारे का अधर में लटक रहा है।उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारी से कहा कि जब तक साहिबगंज में पोस्टिंग नहीं की जा रही है तब गोड्डा के श्रम अधिक्षक को सप्ताह में तीन दिन के लिए साहिबगंज भेज जाय।वही श्री यादव ने साहिबगंज में ड्राइवरी अनुज्ञप्ति बनाने में भी बिचौलिए के द्वारा अनाप-शनाप पैसे उगाही हो रही है,जिसके कारण लोग चाहते हुए भी अनुज्ञप्ति नहीं बनवा पाते हैं।उन्होंने संबंधित अधिकारी से इस पर संज्ञान लेने कि मांग कि है।वही बैठक में आगामी 14 अक्टूबर 2025 को उधवा प्रखंड कार्यालय में तथा 16 अक्टूबर 2025 को श्रम कार्यालय साहेबगंज में धरना प्रदर्शन की भी घोषणा की गई है।जिसकी सूचना संबंधित पदाधिकारी को दे दी जाएगी।बैठक में केन्द्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी,केन्द्रीय सदस्य रवि घोष,जिला उपाध्यक्ष विपिन कुमार पंकज,महामंत्री मोहम्मद इमाम विश्वास,अज्जुम अली,मंत्री मिथुन राजवंशी,कार्य मंत्री मोहम्मद जावेद अख्तर,ब्रह्मदेव यादव,अभिजीत रक्षित, दिलिप हंसदा,धर्मल किस्कू,मरांग सोरेन, विश्वजीत मंडल,मानिक शर्मा, विलियम मालतो आदि उपस्थित थे।

बाबा बैद्यनाथ कल्याण कोष कमेटी की बैठक संपन्न

देवघर : जिले के उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में बुधवार को बाबा बैद्यनाथ कल्याण कोष कमिटि की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गयी कि कोष के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के अलावा असहाय, गरीब, दिव्यांग एवं जरूरतमंद लोगों की मदद की जायेगी एवं उनके बेहतरी के लिए कार्य किया जायेगा। साथ ही आवेदनों के चयनोपरांत उस पर मंदिर कमिटि के स्वीकृति के पश्चात इस कोष के माध्यम से जरूरतमंदों की हर संभव मदद की जायेगी। इसी कड़ी में समिति से स्वीकृति पश्चात आज व्होल बॉडी क्लर डॉपलर अल्ट्रासाउंड मशीन टेक्निकल स्पेसिफिकेशन, सर्जिकल ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप, सी-आर्म विथ फ्लैट पैनल डिटेक्टर आधुनिक उपकरण प्रदान करने की अनुमति प्रदान की गई। इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने बाबा बैद्यनाथ कल्याण कोष में मदद के लिए आगे आने वालों सभी लोगों का आभार भी प्रकट किया। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों के चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने की बात कही। आगे बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा इस कोष में कोई भी दाता अपने ईच्छा व सामर्थ्य अनुसार दान देकर इस पुण्य में कार्य में अपना सहयोग कर सकते हैं, क्योकि इस कोष के तहत जमा राशि का उपयोग निर्धनों व जरूरतमंदों के मदद के लिए किया जायेगा। इस प्रकार के कार्य में समाज के सभी वर्ग के लोगों का सहयोग आपेक्षित होता है। सभी के सहयोग से हीं किसी भी अच्छे कार्य को फलीभूत किया जा सकता है।

क्या कभी इस बात का अफसोस होता है कि बेटी को समय नहीं दे पाए?

अगर कोई कहता है कि ऐसा नहीं होता, तो वह सच में किसी और दुनिया में जी रहा है। अगर पति-पत्नी दोनों कमाते हैं, तो किसी तरह से बच्चे की देखभाल का रास्ता निकाल ही लेते हैं। लेकिन अगर सिर्फ एक बाहर काम कर रहा है, तो उसके लिए यह अफसोस और भी गहरा होता है। ये एक अलग तरह का दर्द है और साथ ही मजबूरी भी है।

मायानगरी

छोड़ना चाहते हैं मनोज बाजपेयी?

मनोज बाजपेयी की फिल्म इंस्पेक्टर जेंडे 5 सितंबर को ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इसके अलावा मनोज बाजपेयी 27 साल बाद राम गोपाल वर्मा के साथ भी काम कर रहे हैं। अभिनेता ने इन दोनों फिल्मों, करियर और निजी जीवन पर विस्तार से बात की।

'इंस्पेक्टर जेंडे' ऑफर होने पर आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

जब स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए मिली तो लगा कि यह कोई सीरियस गंभीर थ्रिलर फिल्म होगी। जैसे पुलिस वाले की परेशानियों भरी कहानियां होती हैं, लेकिन जब पढ़ना खत्म किया तो मजा आ गया। मैं खुद चौंका क्योंकि बार-बार हंसी आ रही थी। कहानी में कॉमेडी बिल्कुल जबरदस्ती ठूंसी हुई नहीं लगी। यह सब पढ़कर लगा कि इसमें एक्टिंग करते समय खुद से भी बहुत कुछ नया करने का मौका मिलेगा।

बतौर एक्टर कई गंभीर रोल करने के बाद जब ऐसी हल्की-फुल्की फिल्में करते हैं, तो क्या कोई फर्क महसूस होता है?

हां, फर्क तो पड़ता है। चाहे मैं हल्का रोल करूं या गंभीर, मेरी कोशिश रहती है कि घर जाकर सामान्य रहूं। लेकिन सच में ऐसा हो नहीं पाता। मेरी जिंदगी कहीं न कहीं सेट से जुड़ जाती है। शूटिंग के दौरान मेरी हमेशा कोशिश रहती थी कि जल्दी घर पहुंच जाऊं। लेकिन मुंबई का ट्रैफिक बड़ा झंझट है। शाम को निकलने पर जब तक घर पहुंचता हूं, फैमिली सो चुकी होती है। मेरी बेटी जब छोटी थी तो मेरा इंतजार करते हुए सो जाती थी। फिर जब मैं घर पहुंचता तो वो उठ जाती थी और फिर उसे सुलाना मुश्किल हो जाता था। ऐसे में फिर मैंने तय किया कि अगर शूटिंग मुंबई में भी हो, तो मैं घर न जाकर सेट के पास वाले होटल में ठहरता हूं। इससे मेरा रूटीन बना रहता है।

किस रोल से बाहर आने में सबसे ज्यादा वक्त लगा?

मेरे साथ यह अनुभव 'शूल' के समय हुआ था। उस समय हमें यह तो समझ आ गया था कि किरदार में कैसे जाया जाता है, लेकिन यह नहीं पता था कि उससे कैसे बाहर निकला जाए। मेरी पर्सनैलिटी भी ऐसी रही है कि अगर किसी ने कुछ कह दिया, तो वह दिमाग में घूमता रहता था। इग्नोर करना मुझे आता ही नहीं था। सत्या के 'भीकू मात्रे' के किरदार से निकलने में भी काफी वक्त लगा। यहां तक कि उस दौरान मैं ज्यादा गालियां देने लगा था और गुस्सा भी ज्यादा आने लगा था। उसे छोड़ने में काफी मेहनत लगी। बाद में जब अनुभव बढ़ा, तो बाकी रोल्स के साथ यह समझ भी आ गई कि किरदार से कैसे बाहर निकला जाए। लेकिन 'शूल' वाला रोल मेरे लिए सबसे मुश्किल था।

अली गोनी को एक्ट्रेस निया शर्मा ने किया सपोर्ट

टीवी एक्टर अली गोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश उत्सव के दौरान गणपति बप्पा मोरया का जयकारा नहीं लगाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उनके साथ निया शर्मा और जैस्मिन भसीन भी दिखाई दे रही हैं। इसके बाद अली को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब इस मामले में निया शर्मा ने रिएक्शन देते हुए एक्टर का सपोर्ट किया है। निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अली और जैस्मिन के साथ एक फोटो शेयर की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, किसी के त्योहार का हिस्सा बनना ही अपने आप में सबसे बड़ा सम्मान है। और हम भारत में गणपति, ईद और हर त्योहार को एक जैसी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं।

जानें क्या है पूरा मामला?

मुंबई में हुए गणपति उत्सव के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन क्लिप्स में देखा गया कि जहां जैस्मिन भसीन और उनके दोस्त जोश से बप्पा के नाम के जयकारे लगा रहे हैं, वहीं अली गोनी चुपचाप एक ओर खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आते ही अली गोनी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाने लगा। एक यूजर ने लिखा, इतना अनकंफर्टेबल फील हो रहा है तो आया क्यों? जैस्मिन को सोचना चाहिए। वहीं एक अन्य ने कमेंट किया, जब बोलना नहीं था तो आया ही क्यों? इसके अलावा भी कई यूजर्स ने इस पर प्रतिक्रिया दी।

डू यू वाना पार्टनर में

अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर बोलीं श्वेता तिवारी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया था। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। सीरीज में दो लड़कियों की कहानी है, जो अपना खुद का स्टार्टअप शुरू करने निकली हैं। इसके लिए उन्हें निवेशकों की जरूरत है। 'डू यू वाना पार्टनर' में अभिनेत्री श्वेता तिवारी भी हैं। उनके किरदार का नाम लैला है। वह एक दबंग महिला गैंगस्टर है। अपने किरदार को रियल बनाने के लिए उन्हें कुछ अभद्र भाषा का प्रयोग भी करना पड़ा। इस सीन को करते समय श्वेता को काफी मुश्किलें हुई। ऐसे में तमन्ना भाटिया ने आगे बढ़कर उनकी मदद की, उस पल को वो कभी नहीं भूल पाएंगी।

श्वेता तिवारी ने सीन को याद करते हुए कहा, सीरीज में एक सीन है, जहां मुझे खूब अभद्र भाषा का प्रयोग करना था। इसे करते समय मैं वाकई में कांप रही थी। सबके सामने ऐसा करना मेरे लिए सहज नहीं था। मैं कोशिश कर रही थी, लेकिन मुझसे हो नहीं रहा था। तभी, तमन्ना भाटिया आगे आईं और मेरा हाथ पकड़कर जोर-जोर से डायलॉग बोलने लगीं। तमन्ना भाटिया ने ही उन्हें उस सीन को पूरा करने के लिए प्रेरित किया, वह उस मुश्किल वक्त में श्वेता के साथ खड़ी रहीं। अभिनेत्री ने बताया कि तमन्ना की वजह से ही मैं यह सीन कर पाई। जिस तरह से उन्होंने श्वेता को सीन करने में मदद की, उसे वो कभी नहीं भूल पाएंगी। श्वेता ने कहा कि यह सीरीज बहुत ही दिलचस्प है, जो दर्शकों को बहुत पसंद आएगी।

यह सीरीज धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इस सीरीज का निर्देशन कॉलिन डी'कुन्हा और अर्चित कुमार ने किया है। इसकी पटकथा नंदिनी गुप्ता,

'धमाल-4' की शूटिंग पूरी, जानिए फिल्म कब होगी रिलीज

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धमाल-4' साल 2026 की ईद पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। मेकर्स ने फैंस को खास अंदाज में ये जानकारी दी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार पोस्ट के जरिए शूटिंग पूरी होने की घोषणा दी, जिसमें अखबार नुमा चित्र है और उस पर 'धमाल टाइम्स' और 'ब्रेकिंग न्यूज' लिखा हुआ है। अभिनेता ने इस पोस्ट को कैप्शन दिया, आज की ताजा खबर आपके लिए लेकर आ रहे हैं, वो गैंग जो अब जल्द ही लूटने आ रहे हैं आपका दिल और दिमाग। 'धमाल-4' ईद 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टी-सीरीज ने भी यह पोस्ट अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, ये स्वाइप करते-करते आप कश्मीर से कन्याकुमारी तक पहुंच सकते हो, पर क्या करें? खबर ही ऐसी है, धमाल 4 की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब मजेदार धमाल शुरू होगा! ईद 2026 में मिलते हैं! इसी के साथ ही अभिनेत्री ईशा गुप्ता, अरशद वारसी, रितेश देशमुख और बाकी कलाकारों ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया है। फिल्म में अजय देवगन के साथ संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं।

माता-पिता के अलग होने के लिए खुद को जिम्मेदार मानती थीं अंशुला

अंशुला कपूर अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन और बोनी कपूर की पहली पत्नी मोना शौरी की बेटी हैं। हालांकि, श्रीदेवी से शादी के बाद बोनी कपूर और मोना की शादी टूट गई और दोनों अलग हो गए। अब अंशुला ने अपने माता-पिता के अलग होने के वक्त को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे माता-पिता के अलगाव का असर उनके बचपन पर पड़ा था और कई वर्षों तक वो खुद को इसके पीछे की वजह मानती रहीं।

खुद को दोषी समझती थीं अंशुला

बातचीत के दौरान अंशुला ने बताया कि कई साल तक मुझे यह समझ ही नहीं आया कि आखिर मेरे माता-पिता अलग क्यों हो गए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता के अलग होने के बाद शायद 5-6 साल की उम्र में मुझमें आत्मविश्वास की कमी आ गई। मैंने लंबे समय तक यही सोचा कि मेरे माता-पिता का रिश्ता मेरी वजह से नहीं चल रहा और इनके अलग होने की असली वजह मैं हूं। छह साल की बच्ची के लिए इतना बोझ उठाना बहुत बड़ी बात है। लेकिन मेरी मां ही थीं जिन्होंने मुझे यह समझने में मदद की कि रिश्ते दो लोगों के बीच होते हैं। वे उन दो लोगों के बीच होने वाली घटनाओं से शुरू और खत्म होते हैं। एक बच्चे के रूप में आपका उन पर कोई असर नहीं होता।

इस इवेंट में बतौर ज्यूरी मेंबर शामिल हुईं दीपिका

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुईं। अभिनेत्री बतौर ज्यूरी मेंबर इवेंट का हिस्सा बनीं और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए दीपिका ने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें बेहद स्टाइलिश लग रही हैं। अपने अंदाज और स्टाइल से दीपिका ने फैंस का दिल जीत लिया है। दीपिका ने अपने फैशन सेंस और स्टाइल से न सिर्फ फैंस को दीवाना बनाया है, बल्कि ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का नाम भी ऊंचा किया है। दीपिका ने स्वीडिश डिजाइनर एलेन होडकवा लार्सन को मेन प्राइज प्रेजेंट किया, साथ ही सभी विनर्स को बधाई दी हैं।

रैली डू मोरोक में उतरने वाली पहली एशियाई और भारतीय महिला बनीं एश्वर्या पिस्से

एजेंसी

फेज (मोरक्को) : पुर्तगाल में ऐतिहासिक जीत के बाद भारत की स्टार रैली राइडर एश्वर्या पिस्से अब एक और बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हाल ही में बीपी अल्टीमेट रैली-रेड पुर्तगाल 2025 में अपनी श्रेणी में खिताब जीतकर एशिया और भारत की पहली महिला राइडर बनने का गौरव प्राप्त किया था। अब वह विश्व की प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक ह्यरैली डू मोरोकह्न में हिस्सा लेने जा रही हैं, जो 10 से 17 अक्टूबर तक आयोजित होगी।

2,299 किमी के कठिन ट्रैक पर होगी परीक्षा रैली डू मोरोक 2025 के 26वें संस्करण में प्रतियोगियों को 2,299 किलोमीटर लंबा मार्ग फेज से एरफूड तक तय करना होगा, जिसमें 1,478 किलोमीटर की स्पेशल स्टेज शामिल है। इस साल की रैली में कुल 229 वाहन और 120 से अधिक अंतरराष्ट्रीय राइडर्स हिस्सा लेंगे।

इन सबमें एश्वर्या पिस्से एक बार फिर इतिहास रचने जा रही हैं – वह दो पहियों पर उतरने वाली एशिया की एकमात्र और भारत की पहली महिला राइडर होंगी। वह ह2फ्ठ रैली 2 झ्र विमेंस कैटेगरी में उतरेंगी। उनका लक्ष्य है महिलाओं के लिए मोटरस्पोर्ट्स में नए मानक स्थापित करना और ह्लडकार 2027ह्न की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाना। एश्वर्या ने कहा, ह्लपुर्तगाल के बाद मेरा आत्मविश्वास और रफ्तार दोनों ही बेहतर हैं। रैली डू मोरोक वर्ल्ड रैली-रेड कैलेंडर की सबसे कठिन प्रतियोगिताओं में से एक है। यहां मैं खुद को डकार के लिए तैयार करने, सीखने और अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए उतरी हूं। रैली डू मोरोक 2025, एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैम्पियनशिप (ह2फ्ठ) का अंतिम राउंड है। यह रैली अपने रेतीले टीलों, पथरीली राहों और जटिल नेविगेशन चुनौतियों के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रतियोगियों की सहनशक्ति, फोकस और निरंतरता की सख्त परीक्षा लेती है – और एश्वर्या पिस्से अब तक इन सभी गुणों की मिसाल बन चुकी हैं। भारत के मोटरस्पोर्ट इतिहास में एश्वर्या का यह कदम न सिर्फ एक बड़ी उपलब्धि है बल्कि भविष्य की महिला राइडर्स के लिए प्रेरणा भी बनेगा।

मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज मुंबई में देश-विदेश के निवेशकों से करेंगे संवाद

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा आज गुरुवार को मुम्बई में ३इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग एंड वाइट गुड्स इन मध्य प्रदेश३ का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुंबई में आयोजित इस इंटरएक्टिव सेशन में देश-विदेश के उद्योगपतियों-निवेशकों से संवाद करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित होटल ट्राइडेंट में आयोजित इस सेशन में देश के प्रमुख उद्योग समूहों के साथ सिंगापुर, मैक्सिको, कनाडा और इटली सहित विभिन्न देशों के कॉन्सुल जनरल और व्यापारिक प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। हिंदल्को इंडस्ट्रीज, वेलस्पन ग्रुप, एलएंडटी, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, गॉदरेज इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, बजाज ग्रुप, आईपीसीए लैब और रेमंड ग्रुप जैसी अग्रणी कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। सेशन को सीआईआई वेस्टर्न रीजन के डिप्टी चेयरमैन एवं ब्लू स्टार लिमिटेड के प्रबंध निदेशक वीर एस. अडवाणी भी संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि इस सत्र का उद्देश्य निवेशकों को मध्य प्रदेश में उभर रहे औद्योगिक अवसरों से अवगत कराना है, विशेष रूप से मोहासा-बाबई (नर्मदापुरम) में विकसित किए जा रहे पॉवर एवं रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जोन (फेस-2) में निवेश को प्रोत्साहन देना है। इस औद्योगिक क्षेत्र में भूमि आवंटन के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 12 अक्टूबर निर्धारित की गई है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्य प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, निवेश-संभावनाओं और प्रमुख परियोजनाओं जैसे पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग जोन, पीएम मित्र पार्क, फुटवियर पार्क और उद्योग आधारित क्लस्टर्स पर विस्तार से चर्चा करेंगे। साथ ही उद्योगपतियों और प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से भेंट कर राज्य में निवेश को लेकर संवाद और डिप्लोमैट राउंडटेबल मीटिंग में अंतर्राष्ट्रीय निवेश और औद्योगिक सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह द्वारा मध्य प्रदेश की निवेश संभावनाओं की जानकारी दी जाएगी। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य ने निवेशकों के प्रति विश्वास और पारदर्शिता का जो वातावरण बनाया है, उसी का परिणाम है कि देश-विदेश की अग्रणी कंपनियाँ अब मध्य प्रदेश में औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित करने में गहरी रुचि दिखा रही हैं। इन सत्रों के माध्यम से प्रदेश में निवेश में वृद्धि होने से औद्योगिक निवेश के साथ स्थानीय युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार अवसर सृजित होंगे और मध्य प्रदेश उद्योग एवं रोजगार का मजबूत केंद्र बनकर उभरेगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने परिवार संग राम लला के दर्शन किए

अयोध्या : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को परिवार संग श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के दर्शन कर आरती उतारी। केंद्रीय मंत्री ने श्रीराम दरबार परिसर में स्थित मां दुर्गा के दर्शन और कुबेर टीला पर देवाधिदेव महादेव का पूजन और अभिषेक किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर परिवार संग उत्तर प्रदेश में श्रीराम की नगरी अयोध्या पहुंची हैं। गुरुवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने केंद्रीय मंत्री सीतारमण और उनके साथ आए परिजनों को मन्दिर परिसर का भ्रमण कराया और विभिन्न जानकारी भी दी। केंद्रीय मंत्री के साथ जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी उपस्थित रहे।

उत्तर बंगाल आपदा : मृतकों की संख्या 39 पहुंची, राहत अभियान तेज

एजेंसी

कोलकाता : उत्तर बंगाल के पहाड़ी, तराई और डुआर्स क्षेत्रों में भारी वर्षा और भूस्खलन से हुई तबाही के बीच पिछले 24 घंटे में तीन और शव मिलने से मृतकों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। यह जानकारी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और दार्जिलिंग व जलपाईगुड़ी जिला प्रशासन ने दी है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि राहत एवं बचाव कार्य जारी रहने के कारण मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह तक आधिकारिक मृतक संख्या 36 थी और उस दिन कोई नया शव नहीं मिला था। उन्होंने कहा, ह्लहालांकि पिछले 24 घंटे में तीन और शव मिले हैं, जिनमें से दो शव जलढाका नदी में बहकर आए थे।

पिछले 24 घंटे में बरामद किए गए शवों की अभी पहचान नहीं हो सकी है। इसी बीच, क्षेत्र में गुरुवार से मौसम की स्थिति सामान्य होने के बाद राहत, बचाव और पुनर्निर्माण कार्यों में तेजी आई है। कई क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत की जा चुकी है और लोकप्रिय सैर मार्गों में से कुछ, जिनमें प्रसिद्ध संदकफू ट्रेकिंग मार्ग भी शामिल है, पर्यटकों के लिए दोबारा खोल दिए गए हैं। जिला प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती पहाड़ी इलाकों में बिजली आपूर्ति को पूरी तरह बहाल करना है। उन्होंने कहा, ह्लकुछ क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति बहाल कर दी गई है, लेकिन कई हिस्सों में अभी काम बाकी है। राज्य विद्युत विभाग के अधिकारी युद्ध स्तर पर बहाली कार्य में जुटे हैं। इस बीच, घटना को लेकर सियासी घमासान भी शुरू हो गया है। विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने सोमवार और मंगलवार को उत्तर बंगाल के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों का दौरा नहीं किया। विपक्ष का कहना है कि मुख्यमंत्री ने केवल अपेक्षाकृत सामान्य इलाकों का ही जायजा लिया। हालांकि इस आरोप पर तृणमूल कांग्रेस की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड: अभ्यर्थियों को मिल सकेगी सेंटर की गूगल लोकेशन

जयपुर : अभ्यर्थियों के गलत परीक्षा केंद्र पर पहुंचने या आखिरी वक्त तक परीक्षा केंद्र का सही पता नहीं चलने की समस?या का समाधान करने की दिशा में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड कैंडिडेट को परीक्षा केंद्र की गूगल लोकेशन और मुख्य दरवाजे की फोटो उपलब्ध कराने की नई पहल करने जा रहा है। बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज ने बताया कि बोर्ड द्वारा दो नवंबर को आयोजित होने वाली ग्रामीण विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा से इसकी शुरूआत की जाएगी। पहले फेज में जयपुर और प्रदेश के कुछ शहरों में इसे शुरू किया जाएगा। जल्द ही प्रदेशभर में इसे लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अब परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र आवंटन के साथ ही केंद्र का लोकेशन लिंक भी मिलेगा। इससे अभ्यर्थी यह आसानी से जान सकेंगे कि उनका केंद्र किस इलाके में है और वहां तक पहुंचने में कितनी दूरी तय करनी होगी। चयन बोर्ड वेबसाइट पर केंद्रों की सूची के साथ लोकेशन भी जारी करेगा, ताकि उन्हें किसी भी तरह की गफलत या असमंजस की स्थिति से परेशान न होना पड़े। आलोक राज ने बताया कि इसके अलावा बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने भर्ती परीक्षा के समय को लेकर आपत्ति दर्ज करवाई गई थी। क्योंकि सुबह की परीक्षा का वक्त होने की वजह से काफी अभ्यर्थी निर्धारित वक्त पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच पाए थे। काफी अभ्यर्थियों को दूसरे शहर में रात बितानी पड़ती थी। ऐसे में बोर्ड द्वारा भर्ती परीक्षा के समय में भी परिवर्तन किया जा रहा है।

सत्ता से बाहर होने पर सपा को याद आते हैं हमारे संत-महापुरुष और पीडीए : मायावती

एजेंसी

लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोलते हुए कहा कि जब ये सत्ता में रहते हैं तो हमारे संत, महापुरुष और पीडीए याद नहीं आते। सत्ता से बाहर होने पर उनके नाम का गुणगान करते संगोष्ठी और कार्यक्रम करने लगते हैं। बसपा प्रमुख ने गुरुवार को पार्टी संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में भारी संख्या में पहुंचे कार्यकताओं को सम्बोधित किया। इससे पहले उन्होंने कांशीराम के चरणों में पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। बसपा प्रमुख ने कहा कि कांशीराम की पुण्यतिथि पर संगोष्ठ का ऐलान करने वाले इन समाजवादियों के दोहरे चरित्र से लोगों को सावधान रहना चाहिए। आज कांशीराम की पुण्यतिथि पर सपा के लोग संगोष्ठी करना चाहते हैं। जब वे सत्ता में रहते है तो न कांशीराम याद आते हैं न बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर। जब इनकी सरकार चली जाती है तो इन्हें पीडीए याद आ जाता है और हमारे संत-गुरुओं की संगोष्ठी करने लग जाते हैं। मायातवी ने कहा कि सपा ने ना केवल कांशीराम जी के जीते-जी उनके पार्टी के साथ दगा कर-के उनके मूवमेन्ट को यूपी में कमजोर करने की लगातार कोशिशें कीं हैं। बल्कि बसपा सरकार में कासगंज को ज़िला मुख्यालय का दर्जा देकर कांशीराम नगर के नाम से बनाये गये नये ज़िला के नाम को भी जातिवादी सोच व राजनीतिक द्वेष के कारण बदल दिया। इसके अलावा, कांशीराम के नाम से अन्य और भी जो कई विश्वविद्यालय, कालेज, अस्पताल व अन्य संस्थायें आदि बनाये गये उनमें से भी अधिकतर का नाम सपा सरकार के आने पर बदल दिए गए। इनकी घोर दलित विरोधी चाल, चरित्र व चेहरा नहीं तो और क्या है? उन्होंने कहा कि समय-समय पर संकीर्ण राजनीति व वोटों के स्वार्थ की खातिर सपा व कांग्रेस का कांशीराम को स्मरण करना विशुद्ध दिखावा व छलावे का प्रयास है। इस प्रकार की गलत जातिवादी व संकीर्ण सोच वाली सपा, कांग्रेस आदि पार्टियों से लोग जरूर सजग व सावधान रहें।

मायावती ने मौजूदा भाजपा सरकार का आभार प्रकट करते हुए कहा कि भाजपा ने महापुरूषों के स्मारक के रखरखाव के लिए खर्च किए। रैली स्थल को सरकार ने मरम्मत कराया है। इसके लिए हम यूपी सरकार का आभार प्रकट करते हैं। रैली में उमड़ी भीड़ को देखते हुए गदगद हुई बसपा प्रमुख ने कहा कि भीड़ ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचे हैं। रैली में पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र और उत्तराखंड राज्यों से आए समर्थक भी शामिल हैं। इसके लिए जनता का भी आभार प्रकट किया और कहा कि यह दिहाड़ी पर नहीं बल्कि स्वयं चलकर आए है। बसपा प्रमुख ने कहा कि बसपा की सत्ता में वापसी ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा एवं अल्प आय के लोगों का भलाई का एकमात्र रास्ता है।

अश्विनी वैष्णव ने गुजरात के मेहसाणा में किया वीजीआरसी में ट्रेड शो और एग्जीबिशन का उद्घाटन

एजेंसी

गांधीनगर : केंद्रीय रेल व आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को मेहसाणा में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) समारोह से पूर्व वीजीआरसी के अंतर्गत आयोजित ट्रेड शो और एग्जीबिशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री कनुभाई दसाई, स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल तथा उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत मौजूद रहे। राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्यों ने वीजीआरसी प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जहां विभिन्न क्षेत्रों के उत्पादों, नवाचारों और टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन किया गया है। यह कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल और टिकाऊ आर्थिक विकास के विजन को आगे बढ़ाने के लिए नवोन्मेषकों, उद्यमियों, निवेशकों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), स्टार्टअप्स, विदेशी खरीदारों, कई बड़ी कंपनियों, सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और वैश्विक भागीदारों को एक साथ लाने का प्रयास है। गौरतलब है कि लगभग 18 हजार वर्ग मीटर के विशाल प्रदर्शनी क्षेत्र में ट्रेड शो का भी आयोजन किया गया है, जिसमें कृषि और खाद्य प्रसंस्करण तथा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े 400 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं। इसके अलावा, टोरेन्ट, वेलस्पन, एनएचपीसी, एनटीपीसी, कोसोल, सुजलॉन, अवाडा, निरमा, आईएनओएक्स, अदानी, मारुति सुजुकी, पावरग्रिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड और ओएनजीसी जैसी अग्रणी कॉर्पोरेट कंपनियां भी शामिल हैं। प्रदर्शनी के एक हिस्से के रूप में दूधसागर डेयरी, ओएनजीसी, वेस्टर्न रेलवे और मकेन फूड्स जैसे संस्थानों के साथ वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम (वीडीपी) का आयोन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य उद्योग संबंधों को मजबूत बनाने के साथ ही स्थानीय उद्योगों के विकास को बढ़ावा देना है। वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस ह्लहर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशीह्व की थीम के साथ स्थानीय उद्यमशीलता, ग्रामीण स्तर पर नवाचार और सामुदायिक विकास की शक्ति का जश्न मनाएगी।

केदारनाथ में अब तक 16 लाख 56 हजार दर्शनार्थियों ने किए दर्शन, बना नया रिकॉर्ड

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदा और मौसम की दुश्वारियों के बीच केदारनाथ की यात्रा में इस वर्ष दर्शनार्थियों का नया रिकार्ड बना है। इस साल अभी तक धाम में दर्शनार्थियों की संख्या 16 लाख 56 हजार के पार हो गई है। पिछले वर्ष केदारनाथ में 16 लाख 52 हजार 76 श्रद्धालुओं ने दर्शन किये थे। इस वर्ष केदारनाथ के कपाट 23 अक्तूबर को परंपरानुसार भैयादूज के पर्व पर बंद होने है, ऐसे में यात्रा के शेष 14 दिनों में यात्रियों की संख्या सत्रह लाख से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। अक्टूबर माह के शुरू के आठ दिन में ही 59754 यात्रियों ने धाम में दर्शन किये हैं। इस वर्ष 2 मई से केदारनाथ यात्रा शुरू हुई थी। कपाट खुलने के दिन ही धाम में 30,154 शिव भक्तों ने दर्शन किए थे, जो केदारनाथ यात्रा के इतिहास में नया रिकार्ड था। पहले दिन से ही देश-विदेश से पहुंचने वाले यात्रियों का उत्साह अपने चरम पर रहा। यात्रा में पैदल मार्ग से हवाई मार्ग तक यात्रियों की भीड़ रही। मंदिर समिति को भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंदिर 22 घंटे तक खुला रखना पड़ा, जिसमें 16 घंटे से अधिक समय तक यात्रियों को दर्शनों कराए गए। जून में मौसम की दुश्वारियों और हेलीकॉप्टर क्रैश होने के बाद भी पैदल यात्रा का उत्साह बना रहा। भले ही मई की तुलना में यात्री कम पहुंचे। बरसात में गौरीकुंड हाईवे के कई जगहों पर बार-बार बाधित होने से यात्रा को कई दिन रोकना पड़ा। हालात यह रहे कि अगस्त माह में सिर्फ 31 हजार श्रद्धालु केदारनाथ पहुंचे। मानसून की रफ्तार थमने और 15 सितंबर से यात्रा का दूसरा चरण शुरू होते ही यात्रियों की संख्या में भी इजाफा होने लगा।

शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव, दोनों सूचकांक की चाल कभी ऊपर, कभी नीचे

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल ऊपर नीचे होने लगी। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, सिप्ला, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 2.69 प्रतिशत से लेकर 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा, टाइटन कंपनी और एक्सिस बैंक के शेयर 1.36 प्रतिशत से लेकर 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,097 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,222 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 875 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 126.34 अंक की मजबूती के साथ 81,900 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक गिरकर लाल निशान में 81,742.68 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही सेंसेक्स उछल कर 82,009.32 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि ये तेजी भी टिक नहीं सकी। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक में दोबारा गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 20.81 अंक की कमजोरी के साथ 81,752.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 28.15 अंक उछल कर 25,074.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर 25,032.25 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से 15 मिनट के कारोबार में ही निफ्टी निचले स्तर से रिकवरी करते हुए 25,120.35 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 8.75 अंक की गिरावट के साथ 25,037.40 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 153.09 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 81,773.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 62.15 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,046.15 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

उद्यम व्यापार के इस्त्री प्रोजेक्ट से देशभर के इस्त्रीवालों की आय में 100 करोड़ की बढ़ोतरी

रांची/मेट्रो रेज : उद्यम व्यापार ने आज एक उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की है, इनके इस्त्री प्रोजेक्ट ने सितम्बर 2025 तक देश भर में इस्त्री करने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को कुल आय में रु 100 करोड़ की बढ़ोतरी के लिए सक्षम बनाया है। इस अवसर पर कृष्णन रंगनाथन, सह-संस्थापक, उद्यम लर्निंग फाउन्डेशन ने कहा, ह्यह्यउद्यम में हमारा मानना है कि नैनो-उद्यमी भारत की अर्थव्यवस्था का आधार हैं, अगर इन्हें सही सहयोग मिले तो ये बड़ी आबादी के जीवन में सुधार ला सकते हैं। इस्त्री प्रोजेक्ट के साथ रु 100 करोड़ का आंकड़ा पार करना न सिर्फ हमारे लिए बल्कि हजारों वेंडर्स के लिए भी गौरव की बात है, जिन्होंने इस बदलाव को अपनाया है। यह दशार्ता है कि किस तरह स्थानीय आजीविका के समाधान राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव उत्पन्न कर, आय, स्वास्थ्य एवं पर्यावरणी परिणामों में सुधार ला सकते हैं।ह्लह्लसायरिल जोसेफ प्रोग्राम हैड, इस्त्री प्रोजेक्ट, उद्यम व्यापार ने कहा, ह्यह्ययह उपलब्धि उन हजारों वेंडर्स से जुड़ी है, जिन्होंने हम पर भरोसा किया और कोयले को छोड़कर एलपीजी को अपनाया। उन्होंने महसूस किया है कि वे किस तरह अपने कारोबार में बदलाव ला सकते हैं। इस्त्री प्रोजेक्ट की शुरूआत एक सरल विचार के साथ हुई थी, स्ट्रीट वेंडर्स को उनकी उत्पादकता बढ़ाने एवं ईंधन की लागत में सुधार लाने के लिए मदद करना। आज यह एक आंदोलन बन चुका है और उनकी आजीविका के साथ-साथ पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न कर रहा है।ह्लह्ल

महिंद्रा ने नए डिजाइन, बेहतरीन इंटीरियर और आधुनिक सुविधाओं के साथ पेश की नई बोलेरो रेंज

रांची/मेट्रो रेज : देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने मंगलवार को अपनी लोकप्रिय एसयूवी बोलेरो की नई रेंज लॉन्च की। कंपनी ने नए टॉप-एंड वेरिएंट बोलेरो बी8 और बोलेरो नियो एन11 पेश किए हैं। नई बोलेरो की एक्स-शोरूम कीमत ?7.99 लाख से 9.69 लाख तक रखी गई है, जबकि बोलेरो नियो ?8.49 लाख से ?9.99 लाख तक उपलब्ध होगी।कंपनी के अनुसार, नई बोलेरो में स्टील्थ ब्लैक कलर, नई ग्रिल, फ्रंट फॉग लैंप, डायमंड-कट अलॉय व्हील्स और दमदार एलईडी डीआरएल्स दिए गए हैं। अंदरूनी डिजाइन में भी बड़ा बदलाव किया गया है। इसमें लेदरेट सीट कवर, 17.8 सेमी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और राइडफ्लो सस्पेंशन तकनीक दी गई है, जो अधिक स्मूद ड्राइव का अनुभव कराएगी।वहीं, नई बोलेरो नियो को शहरी उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें आर16 अलॉय व्हील्स, जींस ब्लू और कंक्रीट ग्रे कलर ऑप्शन, 22.8 सेमी टचस्क्रीन, रियर कैमरा और उन्नत एमटीवी-सीएल सस्पेंशन सिस्टम जोड़ा गया है।महिंद्रा के ऑटो डिवीजन के सीईओ नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा कि नई बोलेरो रेंज भारत के नए दौर की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार की गई है। बोलेरो पिछले 25 सालों से देश की सड़कों पर भरोसे और ताकत का प्रतीक रही है। कंपनी का दावा है कि अब तक 16 लाख से अधिक बोलेरो ग्राहकों ने इसकी मजबूती और परफॉर्मेंस पर भरोसा जताया है।

फोनपे ने पेश किया कार्ड पेमेंट की सुविधा वाला नेक्स्ट-जेन स्मार्टस्पीकर

रांची/मेट्रो रेज : फोनपे ने आज ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में अपना नेक्स्ट-जेन स्मार्टस्पीकर झ फोनपे रें१३ढडऊलॉन्च किया। यह नया हाइब्रिड डिवाइस मर्चेंट और ग्राहकों, दोनों के लिए पेमेंट की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इंडस्ट्री इवेंट में इसको लॉन्च करना दिखाता है कि फोनपे, भारतीय मर्चेंट के लिए व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में बना रें१३ढडऊ फोनपे का पहला ऐसा प्रोडक्ट है जिसमें स्मार्टस्पीकर और अभी तक उपयोग किए जा रहे पॉइंट ऑफ सेल (ढडर) डिवाइस, दोनों की बेहतरीन सुविधाएं मौजूद हैं। साथ ही यह किफायती भी है। यह नया मॉडल पहले के स्मार्टस्पीकर का अपग्रेड है, जिसमें कोई वढकपेमेंट मिलने पर ऑडियो अलर्ट मिलते थे। रें१३ढडऊउन मर्चेंट के लिए डिजाइन किया गया है जो मुख्य रूप से वढकपेमेंट स्वीकार करते हैं, लेकिन कार्ड से पेमेंट लेने का किफायती तरीका न होने की वजह से कई बार उन्हें बिक्री में नुकसान हो जाता है। यह डिवाइस उनके लिए एक उपयुक्त समाधान है, जो उन्हें छूटी हुई बिक्री को प्राप्त करने और सिंगल, ऑल-इन-वन, किफायती पेमेंट समाधान के साथ उनके ग्राहकों को बढ़ाने में मदद करेगा। उन्हें एक ही डिवाइस से हर तरह के पेमेंट लेने की सुविधा मिल जाएगी और उनके ग्राहकों का दायरा पहले से बढ़ जाएगा। कार्ड और दफकोड जैसे पेमेंट माध्यम का स्मार्ट और सरल इंटीग्रेशन, मर्चेंट और यूजर्स दोनों के लिए प्रोसेस को तेज और आसान बना देता है।

फोनपे पेमेंट गेटवे ने मास्टरकार्ड के साथ मिलकर लॉन्च किया 'इकोसिस्टम-वाइड डिवाइस टोकेनाइजेशन'; इक्सिगो पर लाइव हुआ यह फीचर

रांची/मेट्रो रेज : डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए, फोनपे पेमेंट गेटवे ने आज पेमेंट इंडस्ट्री की ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी मास्टरकार्ड के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत, 'डिवाइस टोकेनाइजेशन' सॉल्यूशन लॉन्च किया गया है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (ऋऋक2025) में इस पहल घोषणा की गई है। यह पहल मास्टरकार्ड की नेटवर्क-टोकनाइजेशन क्षमता को फोनपे पीजी के मर्चेंट प्लेटफॉर्म पर लाती है, जिससे ऑनलाइन व्यवसायों के लिए सुरक्षित पेमेंट विकल्पों का विस्तार होता है।यह फीचर लाखों ग्राहकों के लिए चेकआउट और पेमेंट एक्सपीरियंस को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस नई सुविधा को अपनाने वाले पहले भागीदार के रूप में ख्रङ्ग जुड़ा है। भारत के प्रमुख अक-संचालित ट्रैवल प्लेटफॉर्म इक्सिगो, जो फोनपे पर फ्लाइट, बस और ट्रेन बुकिंग को बढ़ावा देता है, ने अपने ऐप्स पर करोड़ों यूजर्स के लिए तेज और अधिक सुरक्षित कार्ड पेमेंट की सुविधा देने के लिए फोनपे पेमेंट गेटवे को इंटीग्रेट किया है। यह 'डिवाइस टोकेनाइजेशन', ग्राहकों को हर बार कार्ड डिटेल्स डाले बिना, एक टैप में सुरक्षित और तेज पेमेंट की सुविधा प्रदान करेगा, जिससे ऑनलाइन शॉपिंग का अनुभव और भी शानदार हो जाएगा।इस लॉन्च के साथ, ग्राहक अब अपने कार्ड को फोनपे ऐप पर एक बार सेव कर सकते हैं और इसमें शामिल सभी ऑनलाइन मर्चेंट्स के साथ सुरक्षित रूप से इसका उपयोग कर सकते हैं। यह नया ३एक बार सेव करें, हर जगह उपयोग करें३ फीचर, ग्राहकों को बार-बार कार्ड डिटेल्स डालने की झंझट से पूरी तरह मुक्त करता है। अब ग्राहकों को हर नई वेबसाइट या ऐप पर ट्रांजेक्शन करते समय अपने कार्ड डिटेल्स बार-बार भरने की जरूरत नहीं होगी।

कोटक की नई पेशकश कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ से डुअल मेटल की क्षमता को अनलॉक करें

रांची/मेट्रो रेज : कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (केएमएएमसी) ने कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ (ऋड्ढऋया फंड ऑफ फंड) लॉन्च करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड फंड ऑफ फंड स्कीम है जो कोटक गोल्ड ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में निवेश करेगी। इस इनोवेटिव फंड का उद्देश्य निवेशकों को सोना और चांदी—दोनों में एक्सपोजर प्रदान कर लंबी अवधि में पूंजी में वृद्धि का अवसर देता है। यह स्कीम आम लोगों के निवेश के लिए 6 अक्टूबर 2025 को खुलेगी और 20 अक्टूबर 2025 को बंद होगी। सोना और चांदी जैसे कीमती धातु ऐतिहासिक रूप से मूल्य सुरक्षित रखने का साधन रहे हैं और महंगाई तथा मुद्रा अवमूल्यन के खिलाफ बचाव का कार्य करते आए हैं। विश्व भर के केंद्रीय बैंक जहाँ अपने स्वर्ण भंडार बढ़ा रहे हैं और औद्योगिक तथा निवेश क्षेत्रों में चांदी की माँग बढ़ रही है। वहीं, कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ इस एसेट क्लास में एक उपयुक्त और विविधीकृत प्रवेश का अवसर देता है। कोटक गोल्ड सिल्वर पैसिव एफओएफ कोटक गोल्ड ईटीएफ और कोटक सिल्वर ईटीएफ में निवेश करेगा, जिससे दोनों धातुओं में कॉस्ट-एफिशियंट तरीके से निवेश का अवसर मिलेगा। इसमें आवंटन एक इन-हाउस क्वांटिटेटिव मॉडल के आधार पर होता है, जो सोना और चांदी की कीमतों की चाल को देखते हुए संतुलन बिठाता है। इससे मानवीय पक्षपात की संभावना समाप्त हो जाती है। यह मॉडल समय-समय पर डायनामिक री-बैलेंसिंग करता है, जिससे निवेश अनुशासित और डेटा-आधारित तरीके से किया जाता है।

न्यूज IN ब्रीफ

एनसीसी कैडेट्स ने किया डीवीसी केटीपीएस का शैक्षणिक दौरा

कोडरमा : एक भारत श्रेष्ठ भारतह्व (ईबीएसबी) अभियान के तहत आयोजित एनसीसी कैम्प के अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स का एक दल डीवीसी कोडरमा ताप विद्युत स्टेशन (केटीपीएस) पहुंचा। इस दौरान कैडेट्स ने पावर प्लांट के विभिन्न विभागों का भ्रमण कर ऊर्जा उत्पादन प्रक्रिया की बारीकियों को समझा। मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख (सीजीएम एवं एचओपी) मनोज कुमार ठाकुर ने कैडेट्स का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि एनसीसी कैडेट्स देश के भविष्य के राजदूत हैं। उन्होंने कहा कि अनुशासन, ज्ञान और सेवा की भावना से ही सशक्त राष्ट्र निर्माण संभव है। डीवीसी केटीपीएस हमेशा ऐसे प्रयासों का स्वागत करता है जो युवाओं को प्रेरित करें और उन्हें देश के विकास में सहभागी बनाएं। कैडेट्स ने इस दौरे को अत्यंत उपयोगी बताया और कहा कि उन्हें न केवल विद्युत उत्पादन की तकनीकी जानकारी मिली बल्कि डीवीसी के कर्मठ अधिकारियों से प्रेरणा भी मिली। यह भ्रमण उनके व्यक्तित्व निर्माण और देशभक्ति की भावना को और मजबूत करेगा। इस अवसर पर डीवीसी टीम के सदस्य नवीन कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

श्री चित्रगुप्त पूजा समिति की बैठक में मंदिर निर्माण को लेकर कमेटी गठित

डोमचांच : श्री चित्रगुप्त पूजा समिति डोमचांच की एक आवश्यक बैठक पूजा स्थल पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मोहन प्रसाद अम्बष्ठ ने की तथा संचालन विवेक कुमार बक्शी ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 23 अक्टूबर 2025 को श्री चित्रगुप्त भगवान की पूजा पूरे उत्साह, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाई जाएगी। बैठक में पिछले वर्ष के आय-व्यय का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया गया, जिस पर उपस्थित सदस्यों ने संतोष व्यक्त किया। बैठक की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रही श्री चित्रगुप्त भगवान के मंदिर निर्माण का ऐतिहासिक निर्णय। समिति ने घोषणा की कि डोमचांच मंझलीटांड़ में भगवान श्री चित्रगुप्त का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। इसके लिए खतियानी रैयत योगेश्वर प्रसाद के उत्तराधिकारी परिवार ने नौ डी जमीन मंदिर निर्माण हेतु दान देने की सहमति जताई, जिसके प्रति समिति एवं उपस्थित सभी चित्रांश परिवारों ने गहरा आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूजा आयोजन हेतु नई कमेटी का गठन भी किया गया। इसमें मोहन प्रसाद अम्बष्ठ को अध्यक्ष, डॉ. विनय कुमार सिन्हा, अखिल कुमार सिन्हा एवं प्रणव बक्शी को उपाध्यक्ष, पंकज कुमार अम्बष्ठ को सचिव तथा अनिल कुमार वर्मा (गोविन्द वर्मा) को कोषाध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी में पूर्व वर्ष के सभी सदस्य पुनः शामिल किए गए। बैठक में नरेश प्रसाद बक्शी, किशोर बक्शी, उदय शंकर प्रसाद सिन्हा, पंकज कुमार सिन्हा, उदय शंकर बक्शी, गणेश वर्मा, जय वर्मा सहित अनेक चित्रांश परिवार उपस्थित रहे और बैठक को सफल बनाया।

जेवीएनएल के सहायक अभियंता के प्रयास से कार्य हो रहें हैं बेहतर और सुचारू

ज्योति पाठक : झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता भामा पद टूडू के पदस्थापना काल से विभाग के कार्यों में काफी तेजी आई है। श्री टूडू अवर प्रमंडल चक्रधरपुर में सहायक विद्युत अभियंता के रूप में 21 जून 2023 को प्रभार ग्रहण किया और अपने पदस्थापना काल के महज दो वर्ष चार माह में अपने बेहतर कार्य प्रणाली से विभाग की शाख और विश्वास दोनों बनाने में सफल रहे। श्री टूडू एक ओर जहाँ विद्युत के अवैध क्नेशन के विरुद्ध सघन अभियान चला कर विभाग की कारवाई को निरंतर मुस्तैदी के साथ क्रिया वरण कर रहे हैं। वहीं तथा बिजली उपभोक्ताओं के समस्याओं को सुनने और जानने के पश्चात उसके निष्पादन के लिए निरंतर जुटे हुए हैं और इसका सार्थक परिणाम सामने आया है और लोग उनके इस कार्य और प्रयास को बेहतर मानते हुए कहा है कि ऐसे अधिकारी से कार्यों का निष्पादन और विभाग को बेहतर गति मिलती है।

एनएफएसए व जेएसएफएसएस के तहत शत-प्रतिशत उठाव का निर्देश

चतराः राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (जेएसएफएसएस) के तहत पात्र लाभुकों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि खाद्यान्न का शत-प्रतिशत उठाव और वितरण समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए ताकि कोई भी पात्र लाभुक वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में भवन प्रमंडल, चतरा के कार्यपालक अभियंता को सभी प्रखंड स्तरीय गोदामों की मरम्मति का कार्य शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया। वहीं जिला सहकारिता पदाधिकारी को चयनित पैक्स की एसओपी मानकों के अनुरूप जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा पैक्स की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।इसके अलावा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि छह माह या उससे अधिक समय से खाद्यान्न नहीं उठा रहे कार्डधारियों का सत्यापन कर उनके कार्ड रद्द करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

झारखंड विधानसभा की याचिका समिति की बैठक में योजनाओं की हुई समीक्षा

संवाददाता

देवघर : झारखंड विधानसभा की याचिका समिति की बैठक का आयोजन बुधवार को स्थानीय परिसदन के सभागार में किया गया, जिसमे समिति के सदस्य विधायक मांडू, निर्मल महतो, विधायक बगोदर, नागेंद्र महतो और झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक सारठ, उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह शामिल हुए। इसके अलावा बैठक के दौरान सदस्यों ने पदाधिकारियों से याचिका से संबंधित मामलों में की गई कार्रवाई की जानकारी ली और मामलों का यथाशीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग, नगर परिषद, वाणिज्य कर, भवन निर्माण, विद्युत आपूर्ति, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, शिक्षा विभाग, कल्याण विभाग, भूमि संरक्षण, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज, खनन, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, भूअर्जन, पर्यटन खेलकूद एवं युवा कार्य, आपूर्ति, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता सहित अन्य विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों व कार्यपालक अभियंता को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया।

बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, निदेशक, लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन, जि.ग्रा.वि.अभि., जिला स्थापना उप समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, जिला योजना पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला भविष्य निधि पदाधिकारी, जिला लेखा पदाधिकारी, जिला अवर निबंधक, उपायुक्त राज्य कर, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, सहयोग समितियाँ, प्राचार्य, सहकारिता प्रशिक्षण केन्द्र, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला भू संरक्षण पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, जिला खनन पदाधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सहायक श्रमायुक्त, उप कोषागार पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, मधुपुर नगर परिषद, महा प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, जिला कार्यपालक पदाधिकारी, राष्ट्रीय बचत, श्रम अधीक्षक, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, जिला नियोजन पदाधिकारी, जिला कौशल विकास पदाधिकारी, प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अधीक्षक केन्द्रीय कारा, अधीक्षक उप कारा, मधुपुर, अधीक्षण अभियंता, विद्युत आपूर्ति अंचल, अधीक्षण अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, विद्युत संचरण प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई, रूपांकण प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, देवघर/मधुपुर, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण निगम, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, एन. आर. ई. पी, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, कार्यपालक पदाधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, दुमका, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार सरकार की प्राथमिकता है : हेमंत सती

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं जिला टास्क फोर्स की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना, मुख्यमंत्री अस्पताल प्रबंधन एवं अनुसंरक्षण योजना और आयुष्मान भारत योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। जबकि उपायुक्त ने सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कायाकल्प योजना के तहत सभी अस्पतालों को स्वच्छता, रोगी सुविधाओं, बायो-मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन तथा सामुदायिक सहभागिता जैसे मानकों पर उत्कृष्टता हासिल करनी होगी।आयुष्मान भारत

योजना के संदर्भ में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में पात्र लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि प्रत्येक पात्र परिवार निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सके। साथ ही उन्होंने अस्पताल प्रबंधन एवं अनुसंरक्षण योजना के अंतर्गत अस्पतालों के नियमित मेंटेनेंस, आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता और भवनों की मरम्मत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, सभी प्रखंडों के चिकित्सा पदाधिकारी तथा सभी स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।उपायुक्त ने अंत में कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त बनाने में सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा समयबद्ध लक्ष्य के साथ योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

हस्ताक्षर अभियान को लेकर बनी रणनीति

संवाददाता

साहिबगंज : अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव सह झारखंड प्रदेश सह-प्रभारी डॉ.सीरिवेला प्रसाद एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर बुधवार को साहिबगंज पहुंचे।उनके आगमन पर जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया।प्रभारी डॉ.सीरिवेला प्रसाद एवं शहजादा अनवर जिला परिषद स्थित उत्सव बैंक्विट हॉल में आयोजित संगठनात्मक बैठक में शामिल हुए।इस बैठक में वोट चोर,गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान की समीक्षा की गई तथा अभियान को और व्यापक रूप देने के लिए आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई।बैठक में जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारीगण,प्रदेश प्रतिनिधिगण, प्रखंड अध्यक्ष,प्रखंड पर्यवेक्षक,मंडल अध्यक्ष,यूएलबी पर्यवेक्षक,नगर एवं वार्ड अध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।इस अवसर पर कांग्रेस प्रभारी डॉ. सीरिवेला प्रसाद ने कहा कांग्रेस केवल सत्ता के लिए नहीं,बल्कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है।जनता के वोट की चोरी लोकतांत्रिक मयार्दाओं पर सीधा प्रहार है,और इस हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से हम जनमानस की आवाज को बुलंद करेंगे। वहीं,कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने कहा झारखंड कांग्रेस पूरी मजबूती से संगठन के विस्तार और जनसंपर्क अभियान पर कार्य कर रही है।कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं,और हमें मिलकर जनता के बीच कांग्रेस की नीतियों को पहुंचाना है।जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा प्रभारी सीरिवेला प्रसाद और कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर के मार्गदर्शन में साहिबगंज जिला कांग्रेस और अधिक संगठित व सक्रिय बनेगा।कार्यकर्ता हर पंचायत तक पार्टी का संदेश लेकर जाएंगे।बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संगठन को मजबूत बनाना और ह्वोट चोर,गद्दी छोड़ह्व हस्ताक्षर अभियान को जन-जन तक पहुँचाना रहा।कार्यक्रम में पूर्व ज़िला अध्यक्ष अनुकूल मिश्रा,मुर्शाद अली, मो.कलीमुद्दीन,बासुकीनाथ यादव, सरफराज आलम, इखलाक नदीम,रंजीत टुडू देबू विश्वास, परवेज आलम,भोला नाथ महतो,नेहाल अख्तर, शारिक रब्बानी,ओम प्रकाश,थॉमस रॉबर्ट, सकील, विकाश सिंह,प्रेम बबलू सोरेन , देवेंद्र ठाकुर, मनोज घोष, तैमूर अंसारी, राम प्रवेश राम,लक्ष्मण मंडल, नसीमा खातून, तरन्नुम निशा,अमित भगत, सुनील पासवान, मंगल पासवान, हरिचरण पासवान, शशिधर यादव,विमल देव भगत,कजाफी मुर्शद, रिजवान आलम,अफजल अंसारी,अजमत अली सलाहुद्दीन मो.अजीज,सद्दाम हुसैन,मो बदरुद्वजा, सबदुल रियाज,सतीश पासवान,अजीज अंसारी सफीकुल अब्दुल कादिर सुनील गुप्ता,शिवम ताती,रविउल इस्लाम, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

समाज के अंतिम पंक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है : संजय कुमार

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती के कुशल मार्गदर्शन व जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निर्देशन में समाज कल्याण विभाग, साहिबगंज द्वारा जिले के विभिन्न पंचायतों में आधार-मोबाइल अद्यतन विशेष शिविरों का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया।इन शिविरों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही लाभुकों तक पहुंच सके और लाभुकों के आधार से जुड़े मोबाइल नंबर अद्यतन रहकर सेवाओं की डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर व्यवस्था

और अधिक पारदर्शी सुलभ हो।शिविरों का पर्यवेक्षण परियोजना पदाधिकारी, यूआईडी संदीप कुमार द्वारा किया गया।जिन्होंने शिविर की प्रत्येक गतिविधि पर बारीकी से निगरानी रखी और सुनिश्चित किया कि लाभुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जबकि पोस्टल बैंक मैनेजर, साहिबगंज और जिले के सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारीगण की सक्रिय उपस्थिति व सहयोग ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इन शिविरों के माध्यम से सैकड़ों लाभुकों को त्वरित और सुविधाजनक सेवा प्रदान की गई।जिससे समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की पहुँच और भी प्रभावी हो सके।जिला प्रशासन द्वारा यह प्रयास निरंतर जारी रहेगा ताकि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के पहुँचे।

शहीद पुलिस उपाधीक्षक विनय भारती के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह

चतरा : शहीद पुलिस उपाधीक्षक के शहादत दिवस पर बुधवार को श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक सहित कई वरीय प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल के जवान उपस्थित रहे। सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर डीएसपी मुख्यालय अमिता लकड़ा, एसडीपीओ संदीप सुमन, अंचलाधिकारी अनिल कुमार तथा सदर थाना प्रभारी बिपिन कुमार भी मौजूद थे।ज्ञात हो कि 8 अक्टूबर 2005 को कुंदा थाना क्षेत्र के बनियाडीह पहाड़ी पर नक्सलियों द्वारा बिछाए गए जाल में ड्यूटी के दौरान पुलिस उपाधीक्षक विनय भारती वीरगति को प्राप्त हुए थे। इस घटना में कई अन्य सुरक्षाकर्मी भी शहीद हुए थे। राज्य पुलिस बल द्वारा उस दिन दिखाए गए साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को आज भी पूरे झारखंड में श्रद्धापूर्वक याद किया जाता है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक ने की समीक्षा बैठक

नामांकित बच्चे मध्याह्न भोजन योजना में भाग लें : आशीष

संवाददाता

दुमका : बुधवार को राजकीय मध्य विद्यालय कड़हरबिल में जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार ओर जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेंब्रम की संयुक्त अध्यक्षता में जिले के सभी संकुल साधन सेवी और प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के साथ समीक्षा बैठक की गई। जिसमें रेल परीक्षा ,निपुण विद्यालय, आधार ओर बैंक खाता, छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति,पाठ्यक्रम पूरा करने, प्रयास कार्यक्रम हैबिटेशन मैपिंग इत्यादि मुद्दों पर प्रखंड एवं संकुल वार समीक्षा की गई । बैठक को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी भूतनाथ रजवार ने कहा कि विभिन्न सूचकों में राज्य स्तर पर जिले की स्थिति बहुत पीछे है। कुछ सूचकों में संकुल साधन सेवी अच्छा कार्य कर रहे हैं किंतु हमारे जिले के कुछ संकुल साधन सेवी लगता है सुधरना नहीं चाहते। अच्छे एवं लापरवाह दोनों तरह के साधन सेवी चिह्नित किए जा रहे हैं।जिन लापरवाह कर्मियों के कारण जिले की रैंकिंग नीचे जा रहा है उन पर कार्रवाई करने की विवशता होगी। आप से आग्रह है कि ऐसी स्थिति आने न दें।जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेंब्रम ने कहा कि सभी नामांकित बच्चे मध्याह्न भोजन योजना में भाग ले साधन सेवी यह सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे लगभग आधे विद्यालय पंचायत ज्ञान केंद्र से संबद्ध नहीं हैं ऐसा नहीं होना चाहिए आप सुनिश्चित करें कि शत प्रतिशत विद्यालय पंचायत जन चेतना केंद्र से जुड़ना चाहिए।अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी देवेश कुमार सिंहा ने कहा कि आप शिक्षा विभाग के महत्व पूर्ण घटक है आप की

सक्रियता से जिले का रैंकिंग निर्भर करता है। अब आपका ओर प्रखंड का रैंकिंग भी इन्हीं सूचकों के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। राज्य स्तर पर लगातार इन्हीं सूचकों पर जिले की समीक्षा की जा रही है। अभी कई सूचकों पर दुमका जिले की स्थिति बहुत पीछे है आपका दायित्व है कि एक सप्ताह में इन सूचकों की स्थिति में सुधार लाना सुनिश्चित करें। सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी श्याम सुंदर मोदक ने कहा कि राज्य कार्यालय द्वारा ग्यारह अक्टूबर तक हैबिटेशन मैपिंग का प्रतिवेदन मांगा गया है।आवासीय विद्यालय छोड़करप्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सभी प्रकार के विद्यालय के शिक्षक को टोला टैगिंग कर अधिसूचित कर देंगे ' राज्य स्तरीय कार्यालय द्वारा सूचित किया गया है कि इस बार ऑनलाइन शिशु पंजी सर्वे किया जाएगा। ओर इसे ईवीवी से जोड़ा जाएगा।जिन विद्यालयों के शिक्षक शिशु पंजी सर्वे में भाग नहीं लेंगे उस पर राज्य स्तर से ही कार्रवाई की जाएगी। इस लिए इसे गंभीरता से लेंगे।सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी डॉली कुमारी ने मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार योजना ओर इको क्लब की समीक्षा की। सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी रंजन डॉन ने निपुण विद्यालय की चर्चा की। सहायक कम्प्यूटर प्रोग्रामर सुबोल चन्द्र कपूर ने आधार एवं बैंक खाता की चर्चा करते हुए कहा कि यह केवल किसी कंपनी या केवल सीआरपी का दायित्व नहीं है किंतु शिक्षकों को प्रेरित करना आपका दायित्व है। इस बैठक में प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी मुहम्मद जमाल,करुणा रानी मंडल सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सभी संकुल साधन सेवी उपस्थित थे।